C.F.I.B.
MEDIA FORCE

क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो का राष्ट्रीय अपराध व खुफिया समाचार पत्र

दिल्ली, पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित

क्राईम फ्री इण्डिया

भारत के लोकतंत्र की सुपर पावर मीडिया का अपराध विरोधी राष्ट्रीय आंदोलन

वर्ष:18 | अंक 134 | दिसम्बर 2015 | विक्रमी संवत् : 2070–71 | लुधियाना, | प्रधान सम्पादक : डॉ. जसवीर आर्य | प्रबन्ध सम्पादक : डॉ. भारत | Help Line No. : 093169-42755 Website : www.crimefreeindiabureau.com | E-mail : cfibforce@gmail.com pbcfibpress@gmail.com | RNI No. 68947/97

नेताओं की अपनी नासमझी से हिन्दुस्तान मात खागया।

डा.जसबीर आर्यः नेशनल सिक्योरिटी एण्ड इंटैलीजेंस फोर्स।

सदियों पुरानें अपनें देश का एक हिस्सा और पाश्चात समय में हिन्दुस्तान का परम सहयोगी मित्र नेपाल देश के नेताओं की नासमझी से हमेशा के लिए खो दिया। और तो और अब नेपाल के प्रधानमंत्री नें भारत को दूर रहनें की चेतावनी भी दी.?।

यह भारत देश के लिए बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि देश के कर्णधारों की नालायकी से भारत देश क्षति और भयानक खतरे में पड़ गया है। चीन जैसा शक्तिशाली देश हिमाचल, उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार के मुहानें तक पहुँच गया। जो आज नही ंतो कल हिन्दुस्तान को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। पूरे विश्व में सिर्फ एक ही हिन्दु राष्ट्र था वह भी नेपाल, वह भी अब एक इतिहास बन गया है , सीएफआईबी की चेतावनी पर भी सरकार नहीं चेती।

विगत दिनों नेपाल देश में उथल-पुथल होनें के समय भारतीय सरकार के जिम्मेदार नेंताओं नें गैर जिम्मेदाराना काम किया उससे नेपाल चीन के खानें में चला गया। हमारे देश की सरकार के प्रमुखों नें नेपाल को एक पड़ोसी एक मित्र की भूमिका न निभाकर बहुत बड़ी भयॅकर भूल कर बैठे । यही नहीं विगत दिनों दैवी आपदा भयानक भूकम्प की तबाही के समय भारत देश के जिम्मेदार नेताओं नें मानवता की बलि देकर एक मानवता की सेवा का मौका खुद गवा दिया,ऐसी मुशीबत में दुश्मन भी सहायता के लिए आगे आकर कार्य करता है। देश के जिम्मेदारों नें दुश्मन से भी गिरा ब्योहार किया जिससे नेपाल जैसा सहयोगी परम मित्र मजबूर होकर चीन की तरफ मुड़ गया, हिन्दुस्तान की इस ना समझी का फायदा चीन नें उठा लिया। शेष पृष्ट 7 पर

इस्लामिक आतंकवादी संगठन एक दवा के सहारे छोटे छोटे बच्चों को बना रहे आतंकवादी।

संजीव शर्मा-लाइव इण्डिया 24, एंव रेक्टर कथूरिया-पंजाब स्क्रीन

इस दवा के बाद नहीं रहता या संवेदना का अहसास..?। सी.एफ.आई.बी. नें इस संदर्भ में भारत के राष्ट्रपति, केन्द्रीय गृहमंत्री व पंजाब पुलिस को पत्र लिखा।

लुधियानः आप को हैरानी हो सकती है और होनी भी चाहिए,आप नें कलम के सिपाही देखे सुनें होंगे और सशत्र सैनिक भी। कभी ऐसा देखा है कि कलम का सिपाही सीमा की चिन्ता कर रहा हो। चिन्ता ही नहीं बल्कि उसकी रक्षा के उपायों पर भी गंभीर हो। आज हम आप को मिलवा रहे हैं एक ऐसे पत्रकार से जिसनें अपनी मीडिया फोर्स और खुफिया नेटवर्क एक ऐसी दवाई का पता लगाया है जो आजकल आतंकवाद बढ़ानें के लिए इस्तेमाल की जा रही है। इस दवा का ही परिणाम है कि इस्लामिक स्टेट के बच्चे एक इशारा होते ही किसी को भी गोली मार देते हैं और शेष पृष्ट 7 पर

क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो, व नेशनल मीडिया फोर्स पंजाब के निदेशक - इंचार्ज डॉ. भारत सम्मानित ।

लुधियाना के प्राचीन शीतला माता मन्दिर द्वारा कराए गए विशाल जगराते के अवसर पर पंजाब के निदेशक इंचार्ज डॉ.भारत के अच्छे कार्यों के प्रति स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए पंजाब के राज्य मंत्री श्री मदनलाल बग्गा, साथमें प्राचीन शीतल माता मन्दिर कमेटी के महा सचिव सुरिन्दर विकी, व अन्य पदाधिकारी,

सीएफआईबी की रिर्पोट पर कार्यवाही मानसिक-पीड़ित को न्याय की आशा

फारुक अंसारी सीएफआईबी बिहार

मुजफ्फरपुर : सीएफआईबी की रिर्पोट पर बिहार मानवाधिकार आयोग की कार्यवाही जारी है। राज्य आयोग के प्रेशित पत्र में जहां पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन मानसिक–पीड़ित के बारे में साक्ष्य संकलन हेतु अनुसंधानकर्त्ता को निर्देशित किया गया है। वहीं अपनी कार्यवाही के संदर्भ में आयोग ने सूचित कर प्रतिवेदन के अवलोकन हेतु ब्यूरो से अपना जवाब मॉगा है। प्रतिवेदित हो कि पूर्वी चम्पारण मोतिहारी टाउन थाना कांड संख्या 181/15 का आरोपी मो0 साजिद के बारे में बताया जा रहा है कि वह मानसिक रुप से विक्षिप्त है इस संबंध में साक्ष्य समर्पित कर कहा गया है कि मानवाधिकार के उल्लंघन का मामला प्रतीत होता है।

डॉ. मेघा आर्य, सीएफआईबी, मीडिया फोर्स।

ड्रोन विमान-ग्लाइडर-हेलीकॉप्टर,जैसे इलेक्ट्रॉनिक खिलौनें देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा.?।

समाज एंव देश विरोधी ताकतें ऐसे खिलौना रूपी इलेक्ट्रानिक सामानों से तबाही मचा सकते हैं,इस लिए इस पर रोक जरूरी,सी.एफ.आई.बी.पंजाब के निदेशक डॉ.भारत नें इस खतरे के प्रति सरकार को चेतावनी दी विश्व की अनेंक सेना अपनें दुश्मन और विरोधी गुटों की जासूसी व बम्बारी कर नेस्तानाबूद करनें में ऐसे छोटे ड्रोन विमानों,हैलीकाप्टर, रोबोटों का इस्तेमाल कर रही हैं, भारत सरकार को देश की आंतरिक सुरक्षा के प्रति सजगता अति आवश्यक ।

विज्ञान नित नई से नई खोज कर हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है,पहले कम्प्यूटर इलेक्टानिक, अन्य वस्तुवें बड़ी और भारी होती थीं अब ऐसी चीजों का आकार भार छोटे सें छोटा होता जा रहा है। बाकी सब में तो ठीक है पर सामरिक दृष्टि से वैज्ञानिक खोज अति महत्वपूर्ण साबित हुआ है। अब तो ऐसे छोटे जासूसी विमान इजाद हो चुके हैं कि वह आप के पास से ही सारी जानकारी लेकर चलें जायें फिर भी आप को पता तक नहीं लगेगा।

इसी तरह सामरिक तौर पर इस्तेमाल होनें वाले एक्सप्लोसिव (बारूद) का विज्ञानिकों नें इजाद कर लिया है कि मुटठी भर एक्सप्लोसिव सैकड़ों लोगों को खत्मकर सैकड़ो मीटर वर्ग में तबाही ला सकता है। लाजमी है कि अगर ऐसे इलेक्ट्रानिक विमानों खिलौनों पर बंदिश नहीं लगाई गई तो आनें वाले समय में कोई भी सरफिरा, देशद्रोही,आतंकवादी भयानक अॅजाम दे सकता है। शेष पृष्ट 7 पर

नन्हा-मुन्ना राही हूं देश का सिपाही हूं...

अनवारुल करीम सीएफआईबी मुजफ्फरपुर बिहार

चिल्ड्रेन्स डे के मौके पर चाईल्ड लाईन सब–सेन्टर साहेबगंज द्वारा आहुत 'दोस्ती प्रोग्राम' में बच्चों को आर्शिवाद देते हुये सीएफआईबी बिहार प्रमुख फारुक अंसारी साथ मे श्री ओम् प्रकाश निदेशक टी0पी0एस0।

पाकिस्तान और इस्लामिक स्टेट की कटटरता ही परमाणु युद्ध तो नहीं.?, विनाश और खतरे में पूरा विश्व.?।

डा.भारतः सी.एफ.आई.बी.,मीडिया इंटैलिजेंस।

इस्लामिक स्टेट के पास खतरनाक जैविक, रासरयनिक, परमाणु, सामाग्री होनें व 2500 हजार राकेट, 250 बख्तरबन्द टी 72 जैसे टैंक व अन्य धातक हथियार होनें की खबर...?।

दिनों पर दिन जिस तरह से पाकिस्तान के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं उस हालात में पाकिस्तान के चारो शक्तियों में कोई न कोई मुर्खता कर बैठना अवश्याम्भावी है। क्यों कि पाकिस्तान में आईएसआई,सरकार,कटटरपंथी और सेना की अपनी अपनी मनमानी चलती है। एक दूसरे की खींचातानी ही या इस्लामिक स्टेट ताण्डव रूपी मुर्खता का कारण होगा।

लुधियाना : यह एक सत्य है कि अगर भविष्य में इस पृथ्वी पर परमाणु युद्ध से सर्व नाश होगा तो तो उसकी शुरुआत दक्षिणी - पश्चिमी एशिया से ही होगा। जिसका संबंधी जैसे कारण भागीदारी अमेरिका जैसे देश होंगे। क्यों की अब पुरानें पारम्परिक हथियारों का जमाना बहुत पीछे छूट चुका है,मौजूदा समय इंटरनेट कमाण्ड जैसे अति विकशित इलेक्ट्रानिक युद्ध सामरिक नें लेली है और कुछ ही सिकेण्ड में तबाही से कुछ देश तबाह होकर मटियामेट हो जाएंगे।

मौजूदा हालात को देखनें में जो बातें सामनें आ रही हैं वह पाकिस्तान की कटटर आतंकवादी खुफिया संगठन इंटर सर्विस इंटैलीजेंस (आई एस आई) की मुर्खता, और पिछले 2-3 सालों में ही पूरे विश्व में अपनी पैठ बना चुका अब तक का सबसें भयानक खुॅखार आतंकवादी संगठन इस्लातिक स्टेट (आई एस आई एस) जिसनें अपनी मौजूद ताकत दिखानें के लिए सउदी अरब, लीबिया, लेबनान, मिस्र, ट्यूनीशिया, यमन, अफगानिस्तान, तुर्की, कुबैत, बंगलादेश, फ्रांस..? में छोटे हमले कर यह दिखा कर कि हम जब चाहेंगे हमला कर सकते हैं, हकीकत में इस्लामिक स्टेट के अब तक के हमले तो ट्रेलर मात्र है। सी.एफ.आई.बी. नें अपनें अपराध व खुफिया समाचारपत्र के अगस्त 2014 के अंक में इस खतरनाक संगठनको आई.एस.आई.एस. सरगना जेहादी बगदादी या खूनी बगदादी.? के नाम से प्रमुखता दी वहीं नवम्बर दिसम्बर के अंक में प्रथम पेज पर इस भयानक और खतरनाक आतंकवादी संगठन को विषय में पूरे विश्व को चेतावनी देते हुए अगाह किया कि होशियार ? ,

शेष पृष्ट 7 पर

पंजाब एंव देश भर का हैरोइन से बरबादी के लिए भारत सरकार भी खुद जिम्मेंदार.?।

डॉ.भारत : नेशनल सिक्योरिटी एण्ड इंटैलीजेंस फोर्स।

पाकिस्तान में अफीम से हैरोइन बनानें का साल्ट-कैमिकल भारत खुद सप्लाई निर्यात करता है।

यह एक सत्य है कि विश्व का सबसे खतरनाक नशीली वस्तु पाकिस्तान में 5 लाख की लागत में तैयार होती है, भारत में आते ही अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत 2 से 10 करोड़ तक हो जाती है। और इस गोरख धंधे में हमारे देश के बड़े से बड़े नेता बड़े से बड़ा पूॅजीपति और बड़े से बड़े पुलिस अधिकारी तक के नाम सामनें आ चुके है। अगर समय रहते इस भयॅकर बीमारी को नहीं रोका गया तो देश की नई जनरेशन के साथ देश को बरबाद होनें से कोई नहीं बचा सकता।

आज आम लोगों की जुबान पर एक ही उस महा अग्नि कैंसर से भी भयानक वस्तु का नाम है जिसनें अनगिनत जिन्दगियों को बरबाद ही नहीं किया कितनों की शनों-शौकत कितनों का मान मर्यादा दौलत तक का बेड़ागर्क कर दिया है?, कितनों का घर का घर उजाड़ दिया,कितनें ही बे-मौत मर गए और कितनें ही मरनें को तैयार बैठे हैं,आज पंजाब ही नहीं पूरा देश इस महा रोग से ग्रस्त है। उस महाअग्नि का नाम है हैरोइन जो अफीम से अन्य क्रियाओं द्वारा एक महत्वर्पू साल्ट ' एनहाईड्रेट ' नामक दवा-कैमिकल मिलाकर तैयार होती है। पाकिस्तान में अफीम की पैदावार बहुत ही थोड़ी ही है,लेकिन मुख्य खेती अफगानिस्तान में होती है,वहां से ही यह अफीम सैकड़ों टन पाकिस्तान में आती है।

पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र की एन.सी.बी.की रिपोर्ट में खुलासा किया कि पाकिस्तान में सालाना सौ (100) टन हैरोइन तैयार होती है। (जब कि (सी.एफ.आई.बी.) को प्राप्त कुछ खुफिया सूत्र रिपोर्ट बताती है कि इससे दुगना तिगुना हैरोइन तैयार होती है।) पाकिस्तान में कुल लागत पॉच लाख रुपए पड़ती है, जब यही हैरोईन पाकिस्तान से बोर्डर पार कर भारत में प्रविष्ट होते ही इसकी कीमत 2 करोड़ से लेकर 10 करोड़ तक पहुॅच जाती है। सं.रा. एन.सी.बी.रिपोर्ट के मुताबिक 30 टन हैरोइन भारत देश में भेजी जाती है। (यह दावा तो संयुक्त राज्य का है,जब कि 60 टन से ऊपर हैरोइन भारत में भेजी जाती है।)

पंजाब के लोग बिना कसूर भुगत रहे हैं काले पानी की सजा.?।

राकेश मोंगा : सी.एफ.आई.बी.।   शामलाल बांसल, सी.एफ.आई.बी.।

पंजाब के अधिकांश जिलों में हो चुके जहरीले पानी को आम जनता पीनें को मजबूर। जब कि यह प्रमाणित हो चुका है कि पानी में हैवी मेटल्स, खतरनाक रसायन एंव घातक युरनियम तक मौजूद।

मुक्तसर : आजादी से पहले जब किसी देशभक्त भारतवासी को सख्त सजा देनी होती तो अंग्रेजी हकूमत द्वारा शेष पृष्ट 7 पर

Website : www.crimefreeindiabureau.com E-mail : cfibforce@gmail.com
Helpline Delhi Head Office : 098684-22283, H.Q. Punjab : 093169-42755

सम्पादकीय

सरकार उग्रवादी मुस्लिम व सिख नेताओं पर सख्ती करें

देश में जितने भी उग्रवादी मुस्लिम व सिख नेता या उनके संगठन कार्यरत है वे सब के सब आंतकी माहौल बनाने में सहायक हो रहे है। जिस कारण इनसे देश की शांति व सुरक्षा को हमेशा खतरा बना रहता है। मुस्लिम नेता जहां मोदी सरकार को इस्लाम विरोधी सिद्ध कर रहे है और वहीं कट्टरवादी सिख तत्व 1984 के दंगों के नाम पर अपने राजनैतिक फायदे के लिए सिख नौजवानो को गुमराह कर रहे है। ऐसे ही मामलों को कुछ मीडिया समुह भी अपनी पत्रकारिता चमकाने के लिये इन समुदायों को हवा दे रहे है। समय का तकाजा है कि देश की एकता व अखण्डता के लिये आप आम मुस्लिम व सिख जनता को भारत सरकार अपना मुरीद बनाये और इनके उग्रवादी नेताओं व संगठनों को कमजोर व नंगा करें। क्योंकि ऐसे मुस्लिम नेता व इनके संगठन केन्द्र सरकार के लिए हमेशा खतरा बनेगें। इसी का फायदा आगे राजनैतिक दल उठाने की कोशिश करते है।

दूसरा हमारा सुझाव है कि राष्ट्रविरोधी कट्टरपंथी मुस्लिम व सिख नेताओं की सूची तैयार कर इनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही आरंभ की जाये।

डॉ. जसवीर आर्य

बादल सरकार सावधान : जनता आपके खिलाफ

हमारी एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार बादल सरकार का ग्राफ काफी नीचे जा रहा है। जिसका आपके विरोधी राजनैतिक फायदा उठाने की फिराक में है। इसीलिये ये देश-प्रदेश के पंजाबी समुदाय में आपको बदनाम कर रहे है। अब आपकी सरकार को पंजाब की कांग्रेस व आम आदमी पार्टी ने घेरना शुरु कर दिया है। मीडिया का एक वर्ग भी आपकी नकारात्मक छवि बना रहा है। भा.ज.पा. के कुछ केन्द्रीय व प्रदेश नेता भी आपसे खुश नहीं है। पंजाब का व्यापारिक व किसान तबका भी आपसे नाराज चल रहा है। आपकी पार्टी में गुटबाजियां बढती जा रही है। ऐसे हालातों मे पंजाब में आपके खिलाफ जनमत बन सकता है। अतः आप सावधान हो जायें।

हमारे अध्ययन के अनुसार इसके कुछ कारण पंजाब में फैलता भ्रष्टाचारए आपकी जन-विरोधी नीतियां तथा खोखला होता जा रहा आपका संगठन है। आपके पास आगामी चुनावों में थोडा ही समय शेष बचा है। ऐसी स्थिति में आपकी जीत के लिये पंजाब में शांति विकास बेरोजगारी दूर करना नये उद्योग धंधे लगाना किसानों की समस्या हल करना और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर ध्यान देना होगा।

डॉ. जसवीर आर्य

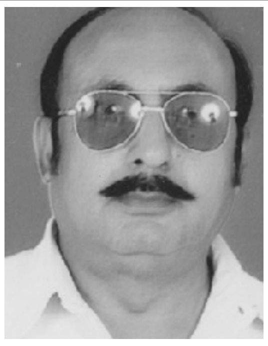

दुनियॉ तबाही के कागार पर, कौन है इसका जिम्मेदार.?।

क्यों आतंकवाद युद्ध अभी तक जारी है.?, लाशें जो खरीदा करता है वो कौन ऐसा ब्यापारी है।
धरती अर्थी बनती जारही बारूदों के पिघलने से,माताओं के दिल छेद होरहे बम्बगोलियां चलने से।

यह माना जा सकता है कि हर युग में शैतानी दिमाग रखनें वाले पैदा होते रहे हैं ओर ऐसी सोच रखनें वाले हमेशा मानवता का खून बहाया है और आज भी पृथ्वी बेगुनाहों निर्दोश जिनका कोई गुनाह ही नहीं के खून से लथ-पथ होती जा रही है। धिक्कार है ऐसी सोच रखनें वालों की, याद रखें जो खुद बारूद के ढेरों पर बैठा हो उन लोगों को मालूम होना चाहिए कि एक चिनगारी ही उन्हे भी मटियामेट कर देगी।

आज विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि विश्व का संहार करनें वाले एक्सप्लोसिव, हथियार बन चुके हैं कि परमाणु हथियार बीते दिनों की बात बनती जा रही है, जल, थल, वायु में कब कोई सरफिरा ब्यक्ति या देश की मुर्खता से सर्वनाशी जहरीली गैश मिल जाये, कब संहारी रूपी हथियार का इस्तेमाल कर दे कोई पता नहीं।

जिस मानव की सोच कभी पूरी दुनियॉ को प्रेम-मुहब्बत,प्यार सौहार्द से भरी रहती थी और आज मानव की सोच कितनी सिकुड़ कर छोटी हो गई है कि सिवा नफरत स्वार्थ के आगे कुछ रह ही नहीं गया। क्यो कुछ देश की अकड थानेदारी, गिरी से गिरी स्वार्थ भरी लालच और सर्व शक्तिमान बननें की लालशा मानवता का गला घोंट कर अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं। ऐसे कुछ देश अपनें देश में निर्मित हथियारों की खपत विक्री, परिक्षण के बहानें अपनें जखीरों को अलगाव वादी गुटों, धर्म के नाम पर तबाही मचानें वाले अतंकवादी गुटों को बेंच कर अपना खजाना भर रहे हैं। कुछ ऐसे ही खुद शैतानी ताकत रखनें वाले देश कुछ सरफिरे जैसे लोगों को दौलत की लालच, शोहरत की लालच,शुरासुन्दरी जैसी हशीन तिलस्मी दुनियॉ दिखाकर देकर कहीं गोली,कहीं बम्ब विस्फोट कराकर शांत प्रिय मानव का खून-खराबा करते करवाते जा रहे हैं। मौजूदा समय में दुनियां में सरफिरों की कमी नहीं, ऐसों से पूरी दुनियॉ, दुनियॉ के लोग खतरे में। यह अलग बात है कि आज कुछ देश आई.एस.आई.एस.बगदादी के ठिकानों पर हवाई बम्बारी, टैंक से, व मिसाइलों से हमला कर रहे है, जिससे अन्य नागरिक भी मारे जा रहे हैं.?, लेकिन विश्व के अन्य देशों में छुपे इनके अड्डों को ऐ देश कैसे नेस्तानाबूद करेंगे ? यह एक विचारणीय मुद्दा है।

यह शतप्रतिशत सही है कि कुछ कट्टरपंथी धर्मान्ध उग्र विचार धारा रखनें वाले जैसे लोगों नें अपनें अपनें ग्रुपें बनाकर आतंक का खेल कर अपनी शैतानी ताकत दिखा रहे हैं। आज ऐसे लोग पूरी दुनियॉ के हर क्षेत्र में मिलेंगे जो कब कहां क्या भयानक ताण्डव मचा दें कोई पता नहीं। आज के आतंकवादी ऐसे जघन्य तरह से अबोध बच्चों का, निरीह लड़कियों का, निअपराध स्त्री पुरुष यानि कि पूरी मानव का खून- कत्लेआम कर रहें हैं जिसे देख सुनकर रूह तक कांप जाती है,शैतान भी ऐसा कार्य नहीं करता।

अब सवाल उठता है कि क्या विश्व दुनियां में शांति, प्रेम भाई चारा रखनें वाले देश यह सब देखते रहें.?, क्या ऐसे ही पूरे विश्व को महा अग्नि में स्वाहा होते हुए देखते रहें.? नहीं अब भी वक्त है कि भारत सहित वे कुछ देश आगे आकर मानवता की रक्षा- पृथ्वी पर मानव जीव रक्षा के लिए खुल कर आगे आना ही होगा, इस कार्य में भारत को चाणक्य की राजनीत,कूटनीति,धर्मनीति और धर्मनीति के सहारे अपना कार्य आगे बढ़ाना ही श्रेष्ट होगा। ऐसे कार्य में कुछ न कुछ कुर्बानी तो देनी ही होगी क्यों कि इतिहास गवाह है कि पूरे विश्व की रक्षा में हमेसा भारतवर्ष को ही आगे आना पड़ा है, ऐसे कार्य और मानवता की रक्षा को बिना देर किए उचित कदम उठाना ही अति आवश्यक समय की मांग है।

डॉ.भारत

होशियार.? मुस्लिम युवतियों का आई.एस.आई.एस.में जेहाद के नामपर आत्मघाती फौज तैयार.?।

डॉ.जसबीर आर्यः(सीएफआईबी)नेशनल सिक्यूरिटी एण्ड इन्टैलीजेंस फोर्स।

इस्लामिक स्टेट में कम उम्र की जेहादी लड़कियॉ- युवतियों की भरती विश्व में कहर ढानें को तैयार.?। भारत को नए शिरे से देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत करनी होगी।

आई.एस.आई.एस.का जेहादी का एक ऐसा सुन्नी संगठन है जो अन्य किसी भी मुस्लिम पंथ-शिया इत्यादि एंव गैर मुस्लिम धर्म को किसी प्रकार की कोई छूट-रियायत देनें को तैयार नहीं। आईएस नें तो एक नए तरीक से अपनें एशिया-भारत फतह मिशन में नीति अपनाई है। जिसमें या तो सभी सुन्नी धर्म अपनाओ नहीं तो बेमौत-मरनें के लिए तैयार रहो.?। आई.एस.आई.एस.के संबंध में अब पूरे विश्व को मालूम हो चुका है कि अब उनका देश भी सुरक्षित नहीं है। फर्स्ट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरा नें राष्ट्रीय अपराध विरोधी गुप्तचर मीडिया फोर्स (सी.एफ.आइ.बी.)के तहत भारत सरकार को जो खुफिया रिपोर्ट भेजी है वह देश-समाज के लिए बहुत ही चिन्तनीय है। इस्लामिक स्टेट सनकी खूनी संगठन जो मानवता के दुश्मन हैं अब किस मुल्क में कब क्या कर बैठें खुफिया एंव सुरक्षा बलों के लिए मुश्किलें पैदा कर दी है। अगर सरकार इस भयानक खतरे के प्रति लरपरवाह होती है तो सरकार की बहुत बड़ी गलती होगी।

लुधियाना : एक तरफ दो परमाणु हथियार सम्पन्न मुल्क जो भारत को कमजोर करनें वाले देश पाकिस्तान और चीन, हमेसा भारत को नीचा दिखानें और तबाह करनें का प्रयाश रत और साथ ही देश में मौजूद देश विरोधी ताकतें - देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बने हैं।

दूसरी तरफ पाकिस्तान की दुनियां भर में बदनाम खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटैलीजेंस (आई.एस.आई.) हर वक्त भारत देश की तबाही के लिए कार्यरत.?, लेकिन इस्लाम के नाम पर जो नया आतंकवादी जेहादी,आत्मघाती फौज जिसके खूनी कारनामें नें पूरे विश्व को सकते में डाल दिया है इस्लामिक स्टेट। जिसके मायनें सिर्फ मनमाने खून-खराबा कर लोगों को मौत के घाट उतरना ही है, चाह वह दूधपीते बच्चे हों, बीमार हो,महिला हो या सीधा-साधा कोई ब्यक्ति ही हो, कोई भी दिन ऐसा नही होता जिस दिन दिल दहला देनें वाली देते नहीं दिखाई देते या सुने जाते। सबसे बड़ी चिन्ता की बात है वह यह कि छोटी उम्र की लड़कियों, युवतियों को तबाही मचानें को आत्मघाती बनाना है। (यह अलग बात है कि इराक और सीरिया इन आत्मघाती आतंकी संगठन के मुकाबले के लिए महिला सैनिकों की फौज बनाकर मैदान में उतार रही है।) साथ ही छोटे और किशोर उम्र के बच्चों को मानव विरोधी मानवता का खून बहानें के लिए तैयार करना बड़े ही दुख की बात है।

दूसरी तरफ अमेरिका , रूस ,फ्रांस जैसे शक्तिशाली मुल्क भी इस संगठन के अडडों पी बम्बारी कर इसकी ताकत को खत्म करनें का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इसमें इन मुल्कों के अपनें फायदे और राजनीति, कूटनीतियां है। ए मुल्क विश्व भर में फैले इनके अडडों को कैसे खत्म कर सकते हैं .??।

देश की पुलिस सुरक्षा व खुफिया तंत्र मजबूत करें

डा० जसबीर आर्य ;राष्टीय सुरक्षा व खुफिया विशेषज्ञ,

राष्ट्रीय सुरक्षा व गुप्तचर सेना (NSIF) सुरक्षा व खुफिया मामलों से संबंधित मीडिया का एक थिंक टैंक है। जो भारत सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा विषयों पर समयानुसार अपने सुझाव-विचार देता रहता है। हमारे इस संस्थान में सेनाए खुफियाए पुलिस व सुरक्षा बलों के सेवा निर्वत कर्मी तथा सामाजिक कार्यकर्ताए वरिष्ठ पत्रकार एवं प्राईवेट जासूस आदि भी अपनी निष्काम सेवायें प्रदान कर रहे है।

इस सन्दर्भ में हमारा विचार है कि आपको भारत की बाहरी व आन्तरिक सुरक्षा के लिये अमरीकाए ब्रिटेनए रुस व इजराइल की तर्ज पर अपनी एक सशक्त व खतरनाक खुफिया एजेंसीयां स्थापित करनी चाहिये। इनके किसी भी काम में कोई राजनैतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिये और न ही सुरक्षा व खुफिया तंत्र को कमजोर होने दिया जायें।

पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी जी के बाद भारत के खुफिया संगठन प्रायः निष्प्रभावी से हो गये है जिन्हें दुबारा खडा करना होगा। साथ ही पूरे देश में एक सोशल खुफिया नेटवर्क भी बढाया जायें। सम्पूर्ण भारत के प्रत्येक गॉव में एक-एक जासूस सक्रिय होना चाहिये। इसके लिये ऐसे लोगो/संगठनों को भी इसमें सम्मिलित किया जाना चाहिये जिनकी देश के प्रति कुछ करने की इच्छाशक्ति व समर्पण भाव हो।

इस समय देश में पाकिस्तान व चीन की खुफिया एजेंसीयां आपस में मिलकर अल्पसंख्यक समुदाय के साथ-साथ विद्रोही/अशांत क्षेत्रों व नक्सल प्रभावित इलाकों में काफी ज्यादा सक्रिय है। जिसे राष्टहित में नेस्तनाबूत करना होगा। कृप्या आप इस योजना को बहुत ही गुप्त व सुरक्षित तरीके से लागू/संचालित करें क्योंकि देश की राजनैतिक शक्तियां बेलगाम व सनसनी फेलाने वाले मुददों की तलाश में रहती है।

वाह रे भारत के राजनेता ? यही हाल है तो कौन देश के लिए कुछ करना,मरना- मिटना चाहेगा?।

डॉ.भारतः (सी.एफ.आई.बी. नेशनल मीडिया फोर्स)

कौन जिम्मेदार इस सबका हमारे देश की नीति या नेता या सरकार? देश के कर्णधारों को इसपर गंभीरता से निर्णय लेना ही हितकर है।

देश के लिए जिन्दगी बरबाद करनें, अपनी पूरा परिवार भुखमरी में डालकर देश के लिए सेवा करनें वाले, जीवन कुरबान करनें वाले सच्चे जासूसों को देश में ही दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर होना पड़ता है।।

कभी चइडीगढ़ में हुई प्रेस कॉन्फ्रेन्स की हकीकत।

विशनदास ग्राम मिर्जापुर माधवपुर पठानकोट में अपनी बीती जिन्दगी के विषय में बताया कि वह (रा) में कार्य करते हुए पाकिस्तान से 10 साल बाद वापस वतन लौटा.? प्रन्तु सरकार नें मुह मोड़कर कर कोई सहायता नहीं की।

क्रामतराही उर्फ कर्मसिंह (रा) पाकिस्तान में 14 साल की सजा पैरो में 8 किलों की बेड़ी के साथ दुखःदाई सजा काटकर वापस आनें के बाद दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर सरकार की तरफ से कोइ मदद या सुनवाई नहीं।

परमजीत सिंहगुरबक्सलाल,क्रामत राही, उपेंदर नाथ,जासूस मरहूम मोहनलाल लड़के नें प्रे.का. करवाया। उपेन्दर नाथ का एकदम पीला शरीर पूदनें पर बताया कि इतनी सख्त सजा कि 10 साल तक सूरज की किरणें तक नहीं देखी। 6 जासूसों नें प्रेस कान्फ्रंस में बताया कि अपनें वतन की रक्षा के लिए हमलोग अपना परिवार अपनी जिन्दगी बरबाद कर दिए पर सरकार नें कोई सहायता सहयोग नहीं दिया, हमलोग दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर सैकड़ों जासूससों को खुड्डे लाइन लगा दिया गया। शेष पृष्ट 7 पर

दिल्ली पर आतंकवादियों द्वारा ड्रोन विमान से हमले का खतरा?

डॉ.भारत : सी.एफ.आई.बी.

क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो (सी.एफ.आई.बी.) की रिपोर्ट पर केन्द्र सरकार एटैंशन एलर्ट। सुरक्षा के संदर्भ में सरकार का कड़ा निर्देश,गृह मंत्रालय नें किसी भी संदिग्ध उड़ती वस्तु को मार गिरानें का आदेश दिया। संगठन द्वारा 28- सितम्बर को 2015 को लिखे पत्र की प्रति नीचे दी जा रही है।

सेवा में

1- महामहिम राष्ट्रपति महोदय (राष्ट्रपति भवन) नई दिल्ली।
2- माननीय गृहमंत्री (भारत सरकार) नई दिल्ली।
3- माननीय पुलिस महानिदेशक (पंजाब) चण्डीगढ़।
4- माननीय पुलिस कमीश्नर (लुधियाना) लुधियाना।

विषयः- छोटे खिलौना नुमा ड्रोन विमान आंतरिक और सामाजिक सुरक्षा में बहुत बड़ा खतरा,-इसके लाईसेंस देनें और ब्यक्तिगत उड़ानों पर रोक लगानें के संदर्भ में।

श्रीमान जी जय हिन्द,

श्रीमान जी जरूरी सूचना यह है कि आज कल किसी समाहरोह जैसे कार्यक्रमों में ड्रोन विमान (एयरो मॉडल) अन्य इलेक्ट्रानिक खिलौना रूपी (पैरा ग्लाइडर) द्वारा फूलों की वर्षा जैस कार्य का प्रचलन शुरु किया है। लेकिन भविष्य में इससे होने वाले खतरे का सुरक्षा विभाग ने गौर किया है ?, या सरकार के सम्बंधित विभाग नें ऐसे खिलौना रूपी तबाही मचानें वाली वस्तुओं पर सोच समझ कर अज्ञा दी है कि आप ऐसे खिलौना रूपी जहाजों ड्रोन - ग्लाइडर का खुलेआम इस्तेमाल कर सकते हैं। श्रीमान जी आजकल ड्रोन ऐयरो माडल से दुश्मन एक दूसरे की जासूसी या बम्बारी, राकेट से हमला कर तबाही मचाकर अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। अगर ऐसे ही खिलौना रूपी जहाजों हेलीकाप्टर से कोई देश विरोधी ताकतें या कोई आतंकवादी गुट ऐसे ही ड्रोन ऐयरो माडल से किसी महत्वपूर्ण स्थल, किसी सार्वजनिक स्थल, किसी (वी आई पी) के प्रोग्राम में विस्फोटक से हमला कर दे तो कितनी बड़ी तबाही क्षिति हो सकती है..?।

अतः श्रीमान जी से अनुरोध है कि- प्रथम ऐसे सभी वस्तुओं पर सार्वजनिक रूप में इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाये, या ऐसी चीजों को किसी सुरक्षा विभाग के निर्देश-कमाण्ड पर इस्तेमाल करें या ऐसी किसी भी जहाजों, ड्रोन, ग्लाइडर, हेलीकाप्टर के इस्तेमाल के लिए लाइसेंस न दिए जायें (अगर लाईसेंस देना ही हो तो कड़े नियम के तहत दिए जायें) जिससे देश की आंतरिक-सामाजिक सुरक्षा खतरे में हो। उम्मीद करते हैं कि राष्ट्र हित में इसपर अविलम्ब गौर करते हुए कारगर कदम उठाए जायें।

डॉ.भारत
नदेशक -एडीटर इंचार्ज (सीएफआईबी. पंजाब)
सलाहकार- नेशनल सिक्योरिटी एण्ड इंटैलीजेंस फोर्स।

पंजाब में डेढ़ लाख के लगभग झोला छाप डाक्टर प्रैक्टिस कर रहे हैं।

शामलाल बांसल : सी.एफ.आई.बी.

इन डॉक्टरों में कुछ अच्छे ज्ञान और जानकारी वाले भी हैं, जो दूर-दराज इलाकों में चिकित्सक का कार्य कर सेवा करते हैं, लेकिन कानूनी तौर पर स्टेट कौन्सिल से रजिस्टेशन जरूरी है।

यह हमारे देश की एक बिडम्बना ही है कि खानदानी और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के जानकार वैद्य हकीम हैं जो अच्छे ज्ञान रखते हुए कुछ जटिल रोगों का सफलता पूर्वक इलाज भी करते हैं। लेकिन ज्यादातर कम पढ़े लिखे या कम्पाउण्डरी करके या दवा की दुकानों पर कुछ समय काम कर डाक्टरी की दुकान चला रहे हैं वह कानून को अपनें हाथ में लिए हैं जो खतरनाक हैं।

सबसे बड़ी बिडम्बना जो है वह यह कि पहले कई राज्य अनुभव के आधार पर स्वास्थय सेवा की जानकारी रखनें वालों का सूचीकृत--पंजीकृत कर उन्हें एक मेडिकल प्रैक्टिशनर का प्रमाण पत्र जारी करती रही हैं जो एक मान्यताप्राप्त थी। लेकिन पंजाब सरकार नें लगभग 50 साल से अपनी तरफ से ऐसा कोई प्रयास नहीं किया कि कोई अन रजिस्टर्ड को रजिस्टर्ड कर सके। हां पिछले कुछ सालों से कम्पाउण्डरी करनें वाले या छोटे अस्पतालों में स्वास्थय सेवा में कार्यरत युवक-युवतियों को बिना डिग्री-डिप्लोमा के ही काम में लिया जा रहा है। आजकल ऐसे लोगों को सी.एम.एस.इ. डी. कोर्स कराना एक दुकानदारी बन गया है, यह कोर्स करा कर उन्हें मान्य कर पैरामैडिकल साइंस कौंसिल द्वारा मान्यता दिलाई जाती है जानकारी के मुताबिक पैरामैडिकल साइंस कौंसिल नाम की संस्था का राज्य में वजूद है ही नहीं।

सरकार मल्टीपर्पज हैल्थ वर्करों व आशा वर्करों को लोगों का उपचार करनें के लिए कहती है तो बरसों से मेडिकल की जानकारी रखनें वाले चिकित्सकों को क्यों नहीं मेडिकल प्रैक्टीस करनें के लिए वैधानिक मान्य करती। अगर सरकार ऐसा करती है तो गरीब और दूर दराज लोगों का प्राथमिक चिकित्सा सस्ती और सरल होगी और चिकित्सा करनें वालों का भी एक जिम्मेदार चिकित्सक का रुतबा इज्जत कायम रहेगी।

एलर्ट एंव हाई एलर्ट से हम कितनें कामयाब हैं।.?

डॉ.भारत (सी.एफ.आई.बी.)

एक खबर के मुताबिक केन्द्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से प्रतिदिन कम से कम 20 जरूरी एलर्ट राज्यों को भेजी जाती हैं ताकि राज्य सरकार उस पर अमल करे।

जब तक अपराधियों के लिए राजनीतिक लोगों का हस्तक्षेप,पुलिस प्रशासन (सुरक्षा विभाग) की राष्ट्र के प्रति जवाबदेही एंव पार्दर्शिता,स्थानीय पुलिस की अपनें सम्पर्क सूत्र एंव कर्म के प्रति वफादारी ? नागरिकों का सहयोग नहीं होगा तब तक इस देश से न तो अपराध कम हो सकता है और न ही आतंकवाद खत्म हो सकता है।

देश की खुफिया ऐजेंसियों को अपनें सुत्रों के जरिये एंव गृह मंत्रालय को डायरेक्ट रोज कम से कम सब मिलाकर 50 के लगभग सूचनायें प्राप्त होती हैं। गृह मंत्रालय में बैठे अधिकारी इन सभी सूचनाओं की समीक्षा कर 20-25 के लगभग सूचनायें सम्बधित राज्यों को भेज देते हैं। जो केन्द्र सरकार की तरफ से भेजे गए एलर्ट कहलाता है। राज्यों की पुलिस एक्सपर्ट अपनें हिसाब से इन सूचनाओं की समीक्षा करके अपनें जिलों के पुलिस प्रमुखों (सम्बधित) तक पहुॅचा देते हैं।

एलर्ट दो तरह के होते हैं, केन्द्र की तरफ से दो श्रेणी के एलर्ट होते हैं, जनरल एलर्ट की सूचना अस्पष्ट जैसे की सुरक्षा में सावधानी बरती जाय किसी बड़े समाहरोह, बहुत बड़े जलूस या त्योहार 15 अगस्त एंव 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय जैसे समाहरोह के दिनों में। दूसरा होता है स्पेसिफिक जैसी सूचना में किसी निश्चित समय और स्थान का जिक्र सूचना होती है कि ऐसी जगह और ऐसे समय में घटना होनें की पूर्ण सम्भावना। अगर देखा जाय तो 100 में से एक अलर्ट ही स्पेसिफिक होती है। दरअसल इंटैलीजेंस ब्यूरो के अलर्ट में सिर्फ शहरों का नाम रहता है, लेकिन निश्चित क्षेत्र का उल्लेख नहीं होता। पुलिस अपनें आंकलन के बाद संवेदनशील स्थानों (क्षेत्र) पर सुरक्षा के इंतजाम करती है, इसमें गफलत की अशंका बराबर रहती है। केन्द्र और राज्यों में तालमेल को दुरुस्त करनें के लिए ही केन्द्र नें नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर (एनसीटीसी) का प्रस्ताव तैयार किया है,लेकिन राज्यों के विरोध के वजह से अमल नहीं हो पा रहा है। (योजनाऐं बनाना ही काफी नहीं होता,इसे सख्ती से अमल करना जरूरी होता है।)

क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों स्थानीय थानें,जिला पुलिस,स्टेट पुलिस,नेशनल पुलिस, हर जिले एंव हर स्टेट एंव केन्द्रीय खुफिया एजैंसियों,के अलावा आई बी,रा जैसी सभी एजेंसियों को चेतावनी देते हुए अगाह करती है कि वे राष्ट्र हित में अपनें मैं मैं मतभेद भुलाकर एक दूसरे को सहयोग देते हुए कार्य करें,वर्ना आतंकवाद की घटनाये होती रहेंगी और देश वासियों और देश को क्षित पर क्षति उठानी पड़ेगी।

अपराधियों को वकालत के पेशे में आनें से रोका जाये। उच्च न्यायालय

अदालत कचहरी में कार्यरत छोटे बड़े ऐसे लोगों के उपर रोक लगानें के आदेश कि जिसपर भी कोई आरोप है या अपराधी हैं ऐसे किसी को भी अदालतों में कार्य करनेंपर रोक लगा दी जाये।

हंसराज खुदिया (सी.एफ.आई.बी.) गत दिनों मद्रास उच्च न्यायलय नें केंद्र सरकार से ऐसे लोगों को न्यायिक-कानूनी पेशे में आनें से अविलम्ब विचार कर अमल में लानें (रोकनें) को कहा है जिन लोगों पर कोई केस लंबित है या जो अपराधी हैं। अदालत नें कहा कि बार काउंसिल जमानती मामलों में और समझौता हो सकनें वाले मामलों को छोड़कर इस तरह के कानूनी छात्रों का पंजीकरण न करें। अदालत नें अगाह करते हुए कहा है कि बार का अपराधीकरण शुरू हो चुका है और यह जंगल की आग की तरह फैल रहा है तथा अधिवक्ताओं आदर्श,पेशे की साख और छवि को दूषित, अपमानित और नष्ट कर रहा है। अदालत नें आगे कहा कि केन्द्र सरकार को अधिवक्ता अधिनियम के प्रावधानों का फिर से अध्ययन करनें या नई धाराशामिल करनें पर जल्द से जल्द विचार करना चाहिए।

अदालत के गलत फैसलों से अनगिनत निर्दोष जेलों में सजा काट रहे हैं।

डॉ.भारत : सीएफआईबी,नेशनल मीडिया फोर्स।

जब न्यायालय और न्यायधीश ही बिकने लगे तो देश का बेड़ागर्क होना ही होना है। न्याय पालिका में भ्रष्टाचार बहुत गहरी जड़ें जमा चुका है। मार्कण्डेय काटजू : पूर्व जज सुप्रीम कोर्ट।

यह इस देश के लिए बहुत ही चिन्तनीय और खतरनाक है कि न्यायपालिका के गिरते स्तर बिकती न्याय ब्यवस्था से भविश्य में भयानक स्थिति पैदा होगी और समाज में अपराधों की बढ़ोत्तरी,अत्याचार, पापाचार, अशांति पैदा होकर एक भयानक आतंकवाद पैदा होगा जो देश के लिए बहुत भयॅकर साबित होगा। इसे संभालना और अदालतों की पार्दशिता विश्वास बहाली अति आवश्यक है।

भारत में जिस न्याय व्यवस्था और न्यायालय को इश्वर के बाद पवित्र मन्दिर माना जाता रहा है और न्यायधीशों का एक पवित्र पुजारी और निर्याणक न्यायकर्ता के नाम से जाना और पूजा जाता रहा है। और आज उसी पवित्र मन्दिर (न्यायालय) को कुछ भ्रष्ट और गलत न्याधीशों (पुजारियों) की वजह से जहां इस पवि़त्र मन्दिरों (न्यायालयों) की गरिमा पवित्रता पर ॲगुलियां उठनें लगी हैं वहीं अब आम लोगों का न्यायधीशों पर से दिली विश्वास भी खत्म होनें लगा है जो आनें वाले समय में देश के लिए बहुत ही घातक सिद्ध होगा।

मुकदमों को बढानें में स्थानीय पुलिस की भी भूमिका रहती है कुछ राजनीतिक दबाव में बेगुनाहों को अपराधी करार देना तो कुछ खुद की वाहवाही में किसी को गुनाहगार बनाकर जेल भेज देना। अब तक प्राप्त सूचनाओं के मुताबिक हालत इतने बदतर हो चुके हैं कि खुद सर्वोच्च न्यायालय भी सकते में आ गया है। गलत तौर पर कोई आरोपी ब्यक्ति अपील भी करता है तो जल्दी न्याय की आशा करना ब्यर्थ ही होता है ज्यादातर अदालतों में अपील की सुनवाई 2 से लेकर 20 साल तक का समय लग जाता है। ज्यादातर मामलों में गंभीर अपराधों के नाम पर गलत ढंग से जज द्वारा दोषी करार दिए ब्यक्ति अपीलों का फैसला होनें तक अपनें जीवन की बेहतरीन समय जेल में या जेल से बाहर तनाव और बदनामी में अपना जीवन गुजार चुकते हैं।

इन सब में कुछ प्रमाणित अदालती सत्यता पर प्रकाश उालना जरूरी है 1982 में गोंडा उ.प्र. की अदालत नें अयोध्या नामक ब्यक्ति को हत्या डकैती के आरोप में सजा सुना दी गई उसकी अपील पर पर इस साल उसे निर्दोष करार देते हुए बाइज्जत बरी कर दिया निर्दोष होते हुए भी 30 साल तक उसे जेल और जेल के बाहर डाकू और हत्यारे के कलंक बदनामी झेलकर जीनें पर मजबूर होना पड़ा,कौन है इन सबका जिम्मेदार ?।

2004 में राजस्थान की कबिता शर्मा को अपनें पति के हत्या में उसे और उसके मित्र को निचली अदालत नें 2006 में सजा सुना दी। 11 साल जेल में बितानें के बाद राजस्थान उच्च न्यायालय ने उन्हें बाइज्जत बरी कर दिया।

इसी तरह आंध्रा प्रदेश की केनम अंजमा और उसके पति को 2007 में कत्ल के केस में पुलिस नें आरोपी बनाकर बन्दी बनाया गया, 8 साल बाद इसी साल जून में ही उच्च न्यायालय नें बाइज्जत बरी कर दिया आखीर निचली अदालतें क्यों नहीं सही और निष्पक्ष फैसला देती हैं।

एक तरफ निचली आलतों की लापरवाही भरे बेतुके फैसलों की वजह से ही अदलतों में 3 करोण से ज्यादा केस-मामले लंबित पड़े हुए हैं। जून 2014 के अंत तक सर्वोच्च न्यायालय में 65,000 से अधिक व 24 उच्च न्यायालयों में 45 लाख मामले लंबित-चिराधीन हैं। उच्च न्यायालयों में लंबित फौजदारी के 10त्र3 लाख केसों में से अकेले इलाहाबाद हाईकोर्ट मेंही 3त्र5 लाख केस हैं। यदि इसमें एक प्रतिशत आरोपी भी निर्दोष हों तो 10,000 से ज्यादा आरोपी गलत ढंग से दंडित किए जानें के कारण सजा काट रहे हैं। जब कि अपनें भारत देश में निर्दोष पीड़ितों को क्षतिपूर्ति देनें का प्रावधान नहीं है जब किअनेक विकसित देशों में भरी भरकम क्षतिपूर्ति तक दी जाती है।

इन सब में निचली अदालतों के न्यायधीशों के अपादर्शिता, अपनी जिम्मेदारी से भागना, भ्रष्ट तत्वों का बोलबाला जैसे कई कारण जिम्मदार हैं। इन्ही सब करणों से ही दिनों पर दिन अपराध बढ़ता जा रहा है। जो मामले निचली अदालतों में ही खत्म किये जा सकते हैं छोटी मोटी सजा या जुर्माना की सजा देकर केसों को खत्म करनें की वजाय उन्हे भी बड़े अपराधी बनाकर सजा सुना दी जाती हैं.? कितनें ही बेगुनाहों की पूरा जीवन तबाह हो जाता है औ उनके परिवार बरबादी का दंश झेलनें पर मजबूर हो जाते हैं। क्या यही हमारी न्याय व्यवस्था है.?..??, इन सबका असली गुनाहगार कौन है।

नौजवानों को बरबाद करती यह भी नशीली दवायें।

मैथमफैंटामाइन,एफीड्रीन,प्रोक्सीवॉन,मोरफीन,कोडीन जैसी घातक नशीली दवायें आज भी चोरी छिपे चल रही है।

राकेश जैसवाल : सी.एफ.आई.बी.

आज जिस तरह से नौजवान और कम उम्र किशोर नशीली दवाओं की गिरत में फॅशते जा रहे हैं वह भविष्य के लिए बहुत भयानक होनें वाली है। अगर समय रहते इस पर कारगर रोक नहीं लगाई गई तो आनें वाली नई जनरेशन (पीढ़ी) विकलॉग और तरह-तरह की बीमारियों से ग्रस्त मिलेगी, जिससे जहां यह हमारी मानवता के लिए एक कलंक होगा वहीं भारतीय सभ्यता भी बरबादी के कागार पर नजर आएगी।नशा करनें वाले भी क्या-क्या तरीके अपना कर कृछ समय के लिए अपनी शारीरिक और मानशिक शांति सुख एंव उत्तेजना के लिए नशीली दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। आगे चलकर यही क्षणिक सुख-आनन्द उनके जीवन को तबाह कर देती है।

यह बड़े दुख की बात है कि आज हर कस्बे हर जिले हर शहर में नशीली दवाऐं सरेआम बिक रही हैं वह भी मुॅह मांगे दाम पर । जहां ऐसी दवाओं सें किशोर और जवान उम्र के लोगों का जीवन तबाह हो रहा है,वहीं काले धंधे करनें वाले माला माल होकर देश का बेड़ागर्क कर रहे हैं। इस काले कारनामें की अवैध कमाई में स्थानीय पुलिस और स्थानीय नेताओं का भी हिस्सा लगता है। क्या संबंधित अधिकारी संबंधित विभाग अपनी जिम्मेदारी निभाना भूल गए हैं, क्या बरबाद हो रही लोगों की जिन्दगी नहीं दिखाई देती ?। अगर संबंधित विभाग और अधिकारी समय रहते इस कोढ़ रूपी गंदगी को नहीं रोका तो आनें वाले समय में उनकी जनरेशन खुद ब खुद तबाह हो जाएगी।

भयानक और खतरनाक स्थिति क्या कहती है...?....???। नशे के सम्बंध में पी.ए.यु. और गुरु नानक देव युनीवर्सीटी के वैज्ञानिकों नें 22 सितम्बर को दावा किया कि विश्व भर में 230 मिलियन लोग नशा करते हैं। पंजाब के हालात पर उन्होनें कहा कि 76.47 प्रतिशत लोग शराब का, 40.14 प्रतिशत अफीम का, 35.29 प्रतिशत जर्दा,तम्बाकू,गुटका का, 21.45 भुक्की-डोडे का, 8.65 प्रतिशत गोलियों का,15.47 प्रतिशत कैप्सूल का, 8.65 टीके का, 4.87 गॉजा चरस का, इस्तेमाल करते हैं। ये वैज्ञानिक हैरोइन ब्राउनसूगर जैसे घातक नशीली वस्तुओं के सम्बध में चुप्पी साध ली। जब कि यही 2 तीन वस्तुवें बेहद खतरनाक और और घातक नशा है..?। इन घातक नशीली वस्तुवें सैंथेटिक , ब्राउनसूगर और हैरोइन का इनके पास कोई ऑकड़ा नहीं था या किसी कारणवश इस खुलाशे को टाल गए।

यह भारत देश है? यहां बेरोजगारी-अपराध और अपराधी दोनों की कमी नहीं।

भारत में प्रति दिन लगभग 100 महिलाओं के साथ बलात्कार होता है, सभी उम्र की महिलायें शिकार हुई.?

बलात्कार का आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा है.? इनमें ऐसी शिकार हुई का शिकायत नही दर्ज है जो लोक लाज और जॉन-माल की डर से उजागर नहीं हुए। विशाल मान :गुरदेव सिंहः सी.एफ.आई.बी. पंजाब।

जिस देश में महिलाओं को मॉ सरस्वती,मॉ लक्ष्मी,मॉ दुर्गा के रूप में पूजा जाता हो,जहां पर छोटी उम्र के बच्चियों का मॉ के रूप में पुजनीय हों वहां छोटी बच्चियों से लेकर पौढ़ उम्र तक की महिलाओं के साथ बलात्कार जैसे घिनौनें कार्य हों वहां पर हमारे देश और देश वासियों के लिए यह बड़े ही शर्म की बात है, हम विश्व में कैसे संभ्रात और अच्छे होनें का दावा कर सकते हैं।

लुधियाना :(एजैंसी) सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठानें के बावजूद पूरे देश में महिलाओं के साथ बलात्कार यौन शोड्ढ़र्निं बेहद चिन्तनीय स्थित में ला दिया है,जो बहुत ही शर्मनाक है। पिछले साल जहां प्रति दिन 100 महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ वहीं प्रति दिन 364 महिलायें यौनशोड्ढ़र्का भी शिकार हुई।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) रिकार्ड के अनुसार केन्द्रशासित और देश के अन्य राज्यों में पिछले वर्ड्ढ 36735 मामले दर्ज किए गए। रिकार्ड के अनुसार हर साल बलात्कार के मामले में बढ़ोत्तरी हुई हैं। साल 2004 में बलात्कार के 18233 मामले दर्ज किएगए थे जबकि साल 2009 में यह आंकड़ा बढ़कर 21397 हो गया।साल 2012 में 24923 मामले दर्ज किए गए और साल 2014 में यह संख्या साल 2004 के संख्या से लबभग दोगुनी 36735 हो गई । पिछले साल के रिकार्ड के अनुसार महिलाओं के लिए मध्यप्रदेश सबसे अधिक असुरक्षित राज्य के रू॰ में उभरा है जब कि लक्षद्वीप महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित स्थान है। महिलाओं की सुरक्षा के नजरिए से नागालैण्ड दूसरा सबसे सुरक्षित स्थान है। रिकार्ड के अनुसार पिछले साल मध्यप्रदेश में सबसे अधिक 5076 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए जब कि लक्षद्वीप में सिर्फ एक मामला दर्ज किया गया और नागालैण्ड में 30 मामले दर्ज किए गए। पिछल साल राजस्थान में 3759 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए और इसके बाद उत्तर प्रदेश में 3467 मामले,महाराष्ट्र में 3438 मामले और दिल्ली में 2096 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए।

सी. एफ. आई. बी. सूचना पट

केन्द्रीय कार्यालय से धोखा न करें

कोई भी सदस्य/कार्यकर्त्ता/अधिकारी सी.एफ.आई.बी. केन्द्रीय कार्यालय के साथ अपने निजी स्वार्थ के चलते धोखा-लालच न करे। क्योंकि यदि बाद में किसी सच्चाई का पता चलने पर उसका कैरियर तबाह हो सकता है। सी.एफ.आई.बी. का सूचना तंत्र बहुत मजबूत है किसी गलत/चालाकी भरे कार्य की भनक केन्द्रीय कार्याल को लग ही जाती है। पहले भी कुछ लोगों ने ऐसी मूर्खता की है जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा है। अतः सी.एफ.आई.बी. में अपने लम्बे व सफल कार्यकाल की दृष्टि से कार्य करें।

वाहन प्राधिकार पत्र प्राप्त करें

सभी शाखाओं व वरिष्ट कार्यकर्ताओं का सूचित किया जाता है कि यदि आप अपने निजी वाहन पर सी.एफ.आई.बी. का मोनोग्राम व स्टीकर लगाना चाहते हैं तो आप पहले अपने वाहन की सेवाएं जनहित में संगठन को प्रदान करें तभी आपको वाहन अथॉरिटी लेटर दिया जायेगा। बिना प्राधिकार के वाहन पर स्टीकर अमान्य व गैर कानूनी माना जायेगा। वाहन के पकड़े जाने पर हम जिम्मेदार नहीं होंगे।

कार्यालय प्रभारी

सी.एफ.आई.बी. डिटैक्टिव सर्विस

प्राईवेट डिटैक्टिव के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ सी.एफ.आई.बी. एक ऐसा नाम है जो मर्डर, ट्रक हाईजैकिंग, हवाला, डकैती तथा सरकारी व गैर सरकारी विभागों में फैले भ्रष्टाचार एवं राष्ट्रद्रोहियों की गुप्त सूचनाएं एकत्रित करने में माहिर है। कोई भी वाजिब दामों पर इसकी सेवाएं ले सकता है।

DELHI TIMES NEWS
PRESS
DTN

क्या आप प्रैस रिपोर्टर (पत्रकार) बनना चाहते हैं ?

आईये! हम आपका स्वागत करते है यदि आप मीडिया (Press) के माध्यम से जनता -समाज-देश की सेवा करना चाहते है तो हम आप को दिल्ली टाईमस न्यूज (DTN) नैटवर्क से जुड़ने का एक बेहतरीन मौका देगें। DTN में आप अपनी रूचि व योगयतानुसार पत्रकारिता का कोई भी क्षेत्र जैस राजनीति, समाज, अपराध, धर्म, विज्ञान, कला, शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य, आर्थिक, खेल या मनोंरजन आदि में से किसी एक विषय में अपने इलाके से रिपोर्टिंग /कवरेज कर अपनी सूचनाऐ/समाचार मीडिया व सरकार तक पहुंचा सकते है। इच्छुक है तो सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय एकता की पहचान

हैलो, हाय, नमस्ते छोड़ें एक दूसरे को जय हिन्द बोले।

सी.एफ.आई.बी. को आवश्यकता है

सी.एफ.आई.बी. को ऐसे समाजसेवियों की आवश्यकता है जो देश की आंतरिक सुरक्षा हेतु खुफिया मीडिया यानी क्राईम रिपोर्टिंग, जासूसी, फोटोग्राफी, खोजी पत्रकारिता एवं सी.एफ.आई.बी. की कानूनी सेवाओं के अन्तर्गत कार्य कर सकें। इच्छुक व्यक्ति आज ही सम्पर्क करें। रोजगार के साथ-साथ परोपकार भी कमाएं।

राष्ट्र की रक्षा, सेवा, विकास हेतु सी.एफ.आई.बी. से जुड़ें सी.एफ.आई.बी. मीडिया का राष्ट्रीय आन्दोलन

1. क्या आप नाम-पहचान-पावर प्राप्त करना चाहते हैं ?
2. क्या आप किसी अपराध, अन्याय हिंसा या भ्रष्टाचार के शिकार हैं ?
3. क्या आप किसी अपराधी, देशद्रोही, भ्रष्टाचारी को जानते हैं ?
4. क्या आप देश की सामाजिक बुराईयां दूर करना चाहते हैं ?
5. क्या आपके पास देश व समाज सुधार की कोई योजना है ?
6. क्या आप राष्ट्र, समाज व जनता की सेवा करना चाहते हैं ?
7. क्या आप कोई कानूनी सहायता या सलाह लेना चाहते हैं ?
8. क्या आप बेरोजगार या कम आमदनी वाले व्यक्ति हैं ?

यदि हाँ, तो शीघ्र पूरे विवरण के साथ आप हमारे कार्यालय में मिलें। नोट : गोपनीय सूचना देने पर आपका नाम गुप्त रखा जाएगा

केन्द्रीय कार्यालय

प्लाट नं० 4, चन्द्रा पार्क, (NSIT के सामने एवं हनुमान मूर्ति के पास) द्वारका मोड हाई वे, नई दिल्ली 110078

उपकार्यालय

डोगरा क्लीनिक, राज नगर, -2, (निकट नया गुरूद्वारा) पालम कालोनी, नई दिल्ली-110077

महत्वपूर्ण दूरभाष

1. कार्यालय : 011-25333383
2. हैल्पलाईन : 09210460484
3. सदस्यता प्रभाग : 09968004686
4. पी.आर.ओ. : 09350082541
5. आपातकालीन : 09268097570
6. महिला सैल : 09211318349
7. वैब साइट : www.crimefreeindiabureau.com www.crimefreeindia.com
9. ई-मेल : cfibpress@gmail.com cfibforce@gmail.com

कार्यालय समय

सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक

रविवार अवकाश

नोट : आगन्तुकों से निवेदन है कि कार्यालय में आने से पूर्व कार्यालय को सूचित करें।

याद रखें, देश में समाज, धर्म, कर्म, से हम सब एक हैं।

(आशीर्वाद एंव शुभकामनायें प्रदाता)

डा. हर्षवर्धन
विज्ञान एवं प्रोधोगिकी मंत्री भारत सरकार

श्रीमति स्मृति जुविन ईरानी
माननीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्री

श्री जोगेन्दर सिंह
पुर्व निदेशक सीबीआई भारत सरकार

डा. किरण बेदी आई.पी.एस
अध्यक्ष सेफर इण्डिया

श्री मौनी बाबा जी
राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नीलकंठ महादेव गुरु आश्रम कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

वैघ एस.राम
चेयरमैन विश्व आयुर्वेद अनुधान एवं विकास परिषद्
वैधराज गंगाधर दिवेदी अध्यक्ष : भारनीय अंशकालिक पत्रकार महासमिति

सम्पादक-मण्डल

प्रधान संपादक	:	डा. जसवीर आर्य
विशिष्ट संपादक	:	श्री जे.वी. शर्मा
संयुक्त संपादक	:	श्री संत राम कांडा
प्रबंध संपादक	:	डा. मेघा आर्य
सलाहकार संपादक	:	डा. रवि रस्तोगी
उप संपादक	:	एस.के. भुटानी
सह-संपादक	:	डा. विनोद निगम
मुख्य संवाददाता	:	श्री प्रदीप सिंह विधुड़ी
विशेष संवाददाता	:	सुरन्द राठोड़ बच्चन सिंह आर्य
प्रेस फोटोग्राफर	:	नरेन्द्र एवं लीला शंकर पांडेय
महाप्रबंधक	:	सुमेर सिंह
प्रचार व विज्ञापन प्रतिनिधि	:	श्री संजय सिंह
		श्री राजिन्द्र जेतली

सी.एफ.आईबी. केन्द्रीय परिवार

कानूनी सलाहकार

एडवोकेट विशाल सिन्हा	(सुप्रीम कोर्ट)
एडवोकेट हंस राज	(दिल्ली हाई कोर्ट)
एडवोकेट डी. के. पांचाल	(तीस हजारी कोर्ट)
एडवोकेट वैद्यनाथ शाह	(रोहिणी कोर्ट)
एडवोकेट श्री रणवीर शर्मा	(पटियाला हाऊस कोर्ट)
एडवोकेट श्रीमति कांता राणा	(द्वारका कोर्ट)
एडवोकेट सी.एल. पाल	(साकेत कार्ट)

नेशनल मीडिया फोर्स

हमारा लक्ष्य
राष्ट्र रक्षा जन सेवा

MEDIA FORCE INDIA
राष्ट्र की पूजा

वतन की रक्षा अपने प्राणों से

मीडिया फोर्स के सदस्य बनने एवं इसकी शाखा खोलने हेतु संपर्क करें

टेली : 011-25333383
हेल्पलाईन : 09968004686, 09210460484, 09350082541
E-mail : mediaforceindia@gmail.com Website : www.nationalmediaforceindia.com

स्वत्वधिकारी क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो के लिए प्रकाशक व मुद्रक डॉ. भारत राम द्वारा लायलपुर प्रिंटिंग प्रैस, नौलखा रोड, लुधियाना पंजाब से छपवाकर क्राईम फ्री इण्डिया कार्यालय, लीसा मार्केट, नई कुंदनपुरी, सिविल लाइन्स, लुधियाना, पंजाब से प्रकाशित किया। संपादक : डा. भारत आर.एन.आई सं 6894797, सर्वाधिकार सुरक्षित)
वेब साइट www.crimefreeindia.com
ई-मेल cfibpress@gmail.com
नोट : इस अंक में प्रकाशित सामग्री से सम्पादकीय व प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जायेगा। विवादों का निपटारा लुधियाना एवं पंजाब की सीमा में आने वाले सक्षम न्यायलयों और फोरमों में ही किया जायेगा। अखबार में प्रकाशित किसी भी सामग्री के विरुद्ध कोई आपति/चुनौती या पूछताछ प्रकाशन के एक माह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी अन्यथा नहीं। लीगल एडवाईजर: एडवोकेट विक्रम ग्रोवर।

क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो पंजाब राज्य समिति

आर्शीवाद

स. प्रकाश सिंह बादल, मुख्यमंत्री, पंजाब सरकार

संरक्षक मण्डल

श्री सतपाल गोसाईं

पूर्व उपाध्यक्ष, पंजाब विधान सभा, चण्डीगढ़, एडवोकेट हरीश राय ढांडा
पूर्व मुख्य संसदीय सचिव, पंजाब सरकार

कार्यवाहक अधिकारी

मुख्य सम्पादक	:	डॉ. जसबीर आर्य
प्रबंध सम्पादक	:	डॉ भारत
संयुक्त सम्पादक	:	स. ओंकार सिंह पुरी श्री धर्मपाल वर्मा
सहयोगी सम्पादक	:	सारिका
सलाहकार सम्पादक	:	राकेश जैसवाल

(Legal Panel)

कानूनी सलाहकार	(Supreme Court Delhi)		एडवोकेट कमल कुमार पांडे
कानूनी सलाहकार	(High Court Chandigarh)	:	एडवोकेट रविन्द्र सिंह
कानूनी सलाहकार		:	एडवोकेट दविन्द्र वीर सिंह
कानूनी सलाहकार		:	एडवोकेट अपिन्द्र सिंह
कानूनी सलाहकार	(Punjab & Haryana High Court) Ludhiana	:	एडवोकेट नगिन्दर सिंह
कानूनी सलाहकार		:	एडवोकेट हरीश मोंगा
कानूनी सलाहकार		:	एडवोकेट विक्रम ग्रोवर
कानूनी सलाहकार		:	एडवोकेट रजिन्द्र सिंह बरैच
कानूनी सलाहकार		:	एडवोकेट परविन्द्र सिंह
कानूनी सलाहकार		:	एडवोकेट रणजोध सिंह गिल
कानूनी सलाहकार		:	एडवोकेट विक्रम मोंगा
कानूनी सलाहकार		:	एडवोकेट रणजीत सिंह
कानूनी सलाहकार			एडवोकेट श्रीपाल शर्मा
कानूनी सलाहकार			एडवोकेट प्रभजोत सिंह

पंजाब मुख्यालय : क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो
निकट लीसा मार्केट, न्यू कुंदनपुरी, सिविल लाइंस, लुधियाना-141 001 पंजाब
हैल्पलाइन : 93169-42755, 0161-3063412, 98155-47504
वेबसाइट : www.crimefreeindia.com ई-मेल : pbcfibpress@gmail.com

वाह रे मेरा देश चपरासी और लेखपाल के 13,684 पद के लिए 50 लाख शिक्षितों नें आवेदन दिया....?.??।

हम अपने और अपनें देश को कैसे कह सकते हैं कि हम सब खुशहाल हैं।

चपरासी की नौकरी के लिए 255 पी.एच.डी. डिग्रीधारक, 2 लाख से ज्यादा स्नातक, और उनसे अधिक हैं बी.टैक, बीएससी, बी.कॉम, एमएससी, एम.काम, और एम.ए. पास उम्मीदवारों नें आवेदन किया जब कि सरकार नें चपरासी के लिए दो योग्यतायें मांगी थी उम्मीदवार को सायकल चलाना आता हो और वह पॉचवी क्लास पास हो। अगर सरकार इस मामलें में जल्द कोई कारगर कदम नहीं उठा सकती तो शिक्षित नौजवान अपराधों के दल-दल में और देशी-विदेशी आतंकी संगठनों में फँशकर अपनी जिन्दगी तबाह कर बैठेंगे जो एक नई और विकराल मुशीबत तक पैदा होगी।

लखनऊः(डीटीएन एजैंसी) यह इस देश की दुर्दशा बयांन करती सच्चाई है कि हम इलेक्ट्रानिक और वैज्ञानिकी प्रगति की बात दुनियॉ में हॉकते है कि हम तरक्की पर तरक्की कर आगे बढ़ रहे हैं पर हम उस जमीनी सच्चाई को खुद के पैरो तले रौदते हुए भी नहीं छिपा सकतेजा आज गरीबी दर गरीबी और शिक्षितों की बेरोजगारी विकराल तरह से बढ़ती जा रही है।

विगत दिनों उत्तर प्रदेश सरकार (सचिवानय) की तरफ से (जिसे मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ' उम्मीदों का प्रदेश' कहते हैं)चपरासी के 368 पद एंव लेखपाल के 13,316 पद के लिए नियुक्तिया की सूचना जारी की गई। चपरासियों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी होनें के 33 दिनों में ही 23 लाख से अधिक लोगों नें आवेदन किया। (उत्तर प्रदेश की जन संख्या 21.5 करोड़ से ज्यादा है) चपरासी के पद के लिए आवेदन करनें वालों में 255 पी.एच.डी. (डिग्री प्राप्त करनें वाले) धारक तथा 2 लाख से ज्यादा स्नातक और इससे अधिक लगभग ढाई लाख जिनमें बी.टैक. बी.एस.सी. एम.कॉम, एम.ए पास उम्मीदवार शामिल हैं। चपरासी के लिए जो योग्यता मांगी गई थी वह थी कि आवेदक को सायकल चलानी आती हो और वह पॉचवी क्लास पास हो। जब कि 6 से 12वीं पास आवेदकों की संख्या 20 लाख से ज्यादा रही।

पत्रकारों/समाज सेवकों का आहवान्

- क्या आप पत्रकार का नेतृत्व करना चाहते है?
- क्या आप पत्रकारों के हक और अधिकार के लिये लड़ना चाहते है?
- क्या आप पत्रकारों की सुरक्षा/मदद हेतु अपना योगदान देना चाहते है?
- क्या आप पत्रकारों की समस्याओ/शिकायतों को सरकार/जनता के सामने रखना चाहते है?
- क्या आप मीडिया में आगे बढ़ना और पत्रकारिता में कुछ नया सीखना चाहते है?
- क्या आप अपने आपको असुरिक्षत व कमजोर महसुस करते है?
- क्या कहीं आपको डराया, धमकाया या दबाया जा रहा है?
- क्या आप मीडिया को लोकतंत्र की सुपर पॉवर बनाना चाहते है?
- क्या आप मीडिया की विखरी ताकत को संगठित करना चाहते है?

यदि हाँ, तो नेशनल मीडिया फोर्स में आपका स्वागत है

नेशनल मीडिया फोर्स (**NMF**) मीडिया व पत्रकारों की सुरक्षा, कल्याण, विकास, उन्नति व सेवा मे समर्पित एक शक्तिशाली राष्ट्रीय संगठन है। यदि आप मीडिया में कुछ विशेष करना या बनना चाहते है तो यह मंच आपके लिये बेहतरीन साबित हो सकता है। अतः आप **नेशनल मीडिया फोर्स** (**NMF**) से स्वयं जुड़े तथा औरो को भी जोड़े साथ ही अपने जिले में **नेशनल मीडिया फोर्स** (**NMF**) की एक शाखा का गठन कर अपनी नेतृत्व क्षमता, प्रतिभा व व्यक्तित्व को एक नई पहचान दें।

कृपया मीडिया फोर्स के प्रदेश /जिला / ब्लाक अध्यक्ष बनने हेतु शीघ्र सम्पर्क करें:-

PRESS
राष्ट्र देवो भवः
राष्ट्र रक्षा

NATIONAL MEDIA FORCE
The Power of Media & Society
Office: Plot No.4, Chandra Park, (Opp. NSIT) Dwarka Mod Highway, New Delhi-110078
Helplines: 09968004686, 09350082541, 09210460484, 08745872952
E-mail: mediaforceindia@gmail.com
Website: www.nationalmediaforceindia.com

अपराध के खिलाफ एक जंग

बस बहुत हो चुका ! अब और बर्दाश्त नहीं।

अपराध भ्रष्टाचार आतंकवाद अन्याय महिला उत्पीड़न असुरक्षा

क्या आप भी इनके खिलाफ है? यदि हाँ, तो आईये,आपका हमारे अपराध विरोधी आंदोलन में स्वागत है।

हमारी आपसे अपील

- क्या आप इन बुराईयों के खिलाफ हमारा सहयोग करना चाहते है?
- क्या आप अपराधों की रोकथाम में कानून/सरकार /पुलिस/ मीडिया की मदद करना चाहते है?
- क्या आप जनता को उसका हक-अधिकार व पीड़ित व्यक्तियों को न्याय दिलाना चाहते है?
- क्या आप स्वयं किसी जुर्म या जुल्म के शिकार है?
- क्या आपकी मानव सेवा/समाज सुधार/राष्ट्र रक्षा में रूचि है?
- क्या आप जन सेवा को अपना कैरियर बनाना चाहते है?
- क्या आप एक सफल व लोकप्रिय जन नेता बनना चाहते है?
- क्या आप अपने क्षेत्र में CFIB की शाखा खोलना चाहते है?

यदि हाँ, तो आप अपने पूर्ण विवरण के साथ निम्न पते पर शीघ्र सम्पर्क करेः-

C. F. I. B.
MEDIA FORCE

CRIME FREE INDIA BUREAU
The National Anti Crime Force
Central Off.: Plot No. 4, Chandra Park, (Opp NSIT) Dwarka Mod Highway, New Delhi-110078
Helplines: 011-25333383, 09968004686, 09350082541, 09210460484
Website: www.crimefreeindiabureau.com, crimefreeindia.com E- mail: cfibforce@gmail.com

हमारा संकल्पः अपराध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अन्याय, जातिवाद, मुक्त एक विकसित व शक्तिशाली भारत का निर्माण

राष्ट्र रक्षा
Website: www.nationalmediaforceindia.com

आयुर्वेद मे रोजगार भी-परोपकार भी

- ☆ क्या आप आयुर्वेद में अपना व्यवसाय करना चाहते है?
- ☆ क्या आप आयुर्वेदिक/हर्बल उपचार पद्धति सीखना चाहते है?
- ☆ क्या आप आयुर्वेद में पत्रकारिता करना चाहते है?
- ☆ क्या आप आयुर्वेदिक/हर्बल/यूनानी चिकित्सा पद्धति के अनुभवी अनरजिस्टर्ड प्रेक्टिशनर है?
- ☆ क्या आप आयुर्वेदिक चिकित्सा/व्यवसाय से जुड़े हुये है?
- ☆ क्या आप WARDC के परामर्शदाता/एजेंट/बिजनेस पार्टनर बनना चाहते है?
- ☆ क्या आप अपने यहां WARDC (Delhi) की फ्रेंचाईजी या शाखा/ प्रशिक्षण केन्द्र लेना चाहते है?

यदि हाँ, तो आप भारत सरकार द्वारा विधिमान्य आयुर्वेदिक संस्थान WARDC से जुड़ कर लाभ उठाये।

अधिक जानकारी के लिये कृप्या सम्पर्क करें:-

World Ayurved Research & Development Council
(विश्व आयुर्वेद अनुसंधान एवं विकास परिषद्)
केन्द्रीय कार्यालयः प्लाट न० 4, चन्द्रापार्क, द्वारका मोड़ हाईवे (NSIT के सामने), नई दिल्ली-110078
हेल्पलाईनः 09868422283, 09211318349, 09654886532 , 09212412283
ईमेलः waradc@gmail.com वैवसाईटः www. worldayurvedresearch.com

मिलने का समय प्रातः 10 बजे से शाम 7 बजे तक (कृपया आने से पूर्व सूचित करें)

- क्या आप एक सफल पत्रकार बनना चाहते है?
- क्या आप जनता की आवाज बनना चाहते है?
- क्या आप मीडिया में अपना भविष्य बनाना चाहते है?
- क्या आप पत्रकारिता में पार्ट टाईम रोजगार चाहते है?
- क्या आप जनता की सेवा/ सहायता / सुरक्षा करना चाहते है?

यदि हाँ, तो DTN प्रैस एवं टी० वी० समाचार मीडिया में है आपके लिये निम्न प्रकार के कुछ सुनहरी अवसर जैसेः-

यदि आप पत्रकारिता सीखना चाहते है?

तो आप DTN की मीडिया एकेडमी में प्रवेश लेकर पत्राचार द्वारा घर बैठे 6 माह का पत्रकारिता प्रशिक्षण कोर्स उतीर्ण करें जिसका शुल्क काफी कम है। कोर्स पूरा करने के बाद आपको DTN व अन्य मीडिया में **PRESS REPORTER** की Job उपलब्ध करवाई जायेगी जिसमें आपको समाज सेवा के साथ -साथ रोजगार भी मिलेगा।

यदि आप एक अनुभवी व कुशल पत्रकार है

तो आप हमारे निम्न पदों पर कार्य कर सकते हैः- जैसे DTN मीडिया मे प्रैस रिपोर्टर, फ्रीलासंर, लेखक, विज्ञापन प्रतिनिधि/प्रबंधक, कैमरा मैन / फोटोग्राफर, ब्यूरो चीफ, राज्य प्रभारी, मीडिया सलाहकार, उपसंपादक, सह सम्पादक या समाचार सम्पादक आदि के रूप मे जुडकर अपना कैरियर बना सकते है।

कृपया अधिक जानकारी के निम्न पते पर शीध्र सम्पर्क करेः-

Delhi Times News
PRESS
DTN

DELHI TIMES NEWS
The National Press & TV News Media
Office: Plot No.4, Chandra Park, (Opp. NSIT) Dwarka Mod Highway, New Delhi-110078
Helplines: 08745872952, 09211318349, 09654886532
E-mail: delhitimesnews@gmail.com
Website: www.delhitimesnews.com

(अनुभव चिकित्सा)

सूर्यशक्ति से ही जीवन प्रवाह चलायमान है।

डॉ.जसबीर आर्यः एंव डॉ.भारतः विश्व आयुर्वेद अनुसंधान एंव विकास परिद।

सम्पूर्ण चराचर जगत को उर्जा प्रदान कर नवजीवन देनें वाला सूर्य हमारी पृथ्वी से लगभग 93 मीलियन मील दूर होते हुए अपनी किरणशक्ति से हमें जीवन ही नहीं दे रहा है बल्कि सौर मण्डल का भी स्वामी है हमारे सौरमण्डल की प्रत्येक वस्तु को चलायमान करनें वाली जीवनशक्ति प्रदान करनें वाली शक्ति हमें सूर्य्र से प्राप्त होती हैं, । सूर्य के सतह का तापमान 6,000 डिग्री सैंटीग्रेड के लगभग है,जब कि सूर्य के अन्दर का तापमान 2 करोड़ डिग्री सैंटीग्रेड तक है। आयुर्वेद एंव प्राकृतिक चिकित्सा तथा योग चिकित्सा के अन्तर्गत सिर्फ शरीर के बाहरी त्वचा द्वारा सूर्य की शक्ति प्राप्त करनें के अलावा सूर्य की प्रधानता वाले पेड़ पौधे जडी बूटियां एंव योग-आंखों द्वारा एक विधिविधान से प्राप्त की जानेंवाली सूर्यशक्ति से ही हम स्वयं एक लम्बा जीवन प्राप्त कर सकते है।

हमारे इस अखिल ब्रहमाण्ड के अन्दर स्थिति आकाश गंगा के दक्षिणी छोर पर हमारे सौर मण्डल का केन्द्र प्रमख सूर्य है। जिसे सास्त्रों पुराणों में जहां बहुत से नामों से पुकारा गया है,वहीं इसे प्रमात्मा की दाहिनी ऑख एंव आत्मा तक की संज्ञा दी गई है,इस सौर मण्डल का केन्द्र सूर्य की अदृष्य चुम्बकीयशक्ति से बधे हुए ग्रह उपग्रह सूर्य के चारों तरफ एक संविधान के तहत अरबों खरबों साल से अपना सफर जारी रखे हुए हैं।

सूर्य इस सौरमण्डलीय ब्रहमाण्ड के केन्द्र से अपनी कुछ अदृष्य उर्जा के साथ अपनी सात किरणों द्वारा अपनें सौरमण्डल के अन्य ग्रहों,उपग्रहों के अलावा इस ब्रहमाण्ड के सबसें खूबसूरत धरा-पृथ्वी के जल,थल,आकाश व अपनें गर्भ में समाए जीव जन्तु-मानव (चौरासी लाख योनियों) को प्राणदायनी किरण शक्ति-सात रंगों द्वारा जीवन प्रदान कर रहा है। सूर्य की सातो शक्ति प्राप्त करने के लिए हमारे अध्यात्मिक एंव प्राचीन विज्ञानिको और महान ऋृषि-मुनियों मे सूर्य द्वारा जीवन शक्ति प्राप्त करनें एंव जटिल से जटिल रोगों से छुटकारा पानें के लिए के लिए मानव को सरल विधि द्वारा सूर्य को अर्ध जल चढ़ाने(अर्पित) करनें का विधान किया। यानि कि सूर्य की किरणो द्वारा प्रवाहित हो रहीं अदृष्य शक्ति एंव सातों रंगशक्ति द्वारा इश्वरीय-ब्रहमाण्डीय उर्जा को पा सके, हॉ सूर्य को अर्ध जल चढ़ानें की विधि तरीका मालूम होना चाहिए। सूर्य को जल देनें का समय प्रातःसुबह जब सूर्य पूर्ण निकल चुका हो से लेकर तीन से साढ़े घन्टे तक जब सूर्य की किरणें सीधे हमारी सम्पूर्ण शरीर पर सामनें से पड़ रही हों। ताकि सूर्य को जल चढ़ाते वक्त सूर्य की किरणें पानी से छन कर सर से लेकर पैर तक पड़ सके।

यहां एक रहस्य की जानकारी लिखना जरुरी है ताकि नई जानकारी आप तक पहॅुचा सकें ताकि सूर्य की रहस्यमई अमृत का सेवन कर सकें। सर्व प्रथम इस बात की तरफ ध्यान दिलाना चाहेंगे कि प्रकृतिक का यह अटल सच्चाई है कि अगर अग्नि न होती तो जल नहीं होता,जल नहीं होता तो जीवन नहीं होता,विष (जहर) नहीं होता तो अमृत नहीं होती। यही सब हमारे सूर्य पर और उसके द्वारा निकल रही किरणों पर भी लागू होता है। पैराबैगनी किरणों (नसजतंअपवसमज ल्तंेद्ध की घातकता का आज का विज्ञान कैंसर को बढानें वाला एंव बडा ही घातक मानता है। प्रन्तु जिस तरह विष से अमृत पैदा होता है,उसी तरह पैराबैगनी व अन्य अदृश किरणों से जीवनदायनी शक्ति प्राप्त कर सकता है,लेकिन ऐसी शक्ति प्राप्त करनें के लिए विधिविधान से ही जीवनदायनी शक्ति प्राप्त किया जा सकता है। इस संदर्भ में सिद्धामृत सूर्य क्रिया योग (कुण्ड अग्निशिखा)की कुछ बातें प्रकाशित करना जरुरी समझतें हैं।

यहां हम सूर्य सम्बन्धित एक विशेष चर्चा पर ध्यान देंगे,जिसका सम्बन्ध आधुनिक बौद्धिक वर्ग तथा कुछ विज्ञानिकों के अवैधानिक अनुकरण कर्ताओं के मस्तिक की उपज से भी है। इस चर्चा का सम्बन्ध पैराबैगनी किरणों (न्प्टण्ल्तेद्ध की कल्पित भयानक तस्वीर से है। वैज्ञानिक तथा आध्यात्मिक चिन्तन के मिश्रण से हमें इसका प्रचार किया जा रहा है? सूर्य से निकल रही महा शक्तिशाली यू.वी.किरणें अधिक नुकसान पहंचायेंगी या अधिक लाभ। दृष्टान्तस्वरूप दें के वैज्ञानिक त्पबींतक जवसंतोप कहते है कि ओजोन परत का पतला पड़ना कुछ भी गम्भीर समस्या नही है ं। न यह समस्या थी और न ही भविष्य मे यह समस्या बनेगी । डा. हेलन शॉ ने पाया कि जो लोग सूर्य स्नान करते है उनमे चमड़ी के कैंसर की सम्भावना कम होती है । डा. जोन ओट ने पाया कि नण्अ तंले को रंगीन चश्मो ,शीशो आदि के द्वारा रोक कर शरीर तक न पहुँचने देना शरीर की रोग निरोधक क्षमता को बेहद प्रभावित कर सकता है । उन्होने कहा कि इसके प्रबल प्रमाण है कि नण्अ तंले आखो के माध्यम से शरीर के सुरक्षा तंत्र को क्रियाशील बनाते है । बेशक यह सही है कि अधिक मात्रा मे नण्अ तंले नुकसानदायक होंगी । इसी प्रकार सूर्य किरणो के त्वचा के साथ युक्त होने से 'विटामिन डी' बनता है , जो शरीर की शक्ति और स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है । यह विटामिन डी लिवर तथा गुर्दो की क्रियाशीलता का कारण बनता है ं। इसमे ऐसे हारमौन पैदा होते है जो ब्लड प्रैशर को नियत्रित रखते है । नण्अ तंले से कोलस्ट्रोल कम होता है । दिल की क्षमता बढ़ती है एक खतरनाक चमड़ी की बिमारी चेवतपवेपे कम होती है । इस प्रकार नण्अ से होने वाले इतने लाभ है कि हैरानी होती है कि एक तरफ इसके इतने लाभ और दूसरी तरफ नण्अ तंले के बारे मे दुष्प्रचार क्या कारण है इस दुष्प्रचार का ? नण्अ तंले के बारे मे विस्तृत जानकारी के लिए सपहीज उमकपबपदम व जीम निजनतम इल रंबवइ सपइमतउंद वण्कण् चीक ;चमंत - बव द्ध की पुस्तक प्रशंसीय है । इसके अतिरिक्त और भी विशाल साहित्य खोजने वालो को इस विषय मे मिलेगा । कारण यही है कि नण्अ किरणे अत्यन्त उर्जा सम्पन्न है । एक सामान्य व्यक्ति यदि आवश्यकता है तथा सामर्थ्यानुसार इनके सम्पर्क मं आता है तो उसे निश्चित लाभ होता है । इसके विपरित यदि वह इन किरणों से (सन लोशन, काले चश्मे, नण्अ तंले किरणो से रहित प्रकाश वाले कमरो मे रहने से) सम्बन्ध तोड़ने मे ही अपनी होशियारी समझाता है तो निश्चित नुकसान होगा।

क्योकि एक आम मनुष्य की त्वचा या आंखो मं इतनी क्षमता तथा अन्तमुर्खता नही है कि वे इन किरणो की विशेष शक्ति को अपने अन्दर धारण कर सके । मानव समाज और विज्ञान के सामने एक चुनौती भरा प्रश्न है कि सूर्य की इन शक्तिशाली किरणो से कैसे अधिकतम लाभ उठाया जा सके । क्या कोई ऐसी विधि हो सकती है जिससे कि इन किरणो की प्रचन्ड उर्जा को शरीर मे धारण करने का पथ प्रशस्त किया जा सके ? यह तथ्य तो बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि इन सूर्य किरणो की प्रचन्ड उर्जा को आत्मसात किया जा सके तो मानव भी एक प्रचन्ड ऊर्जाधारी व्यक्तितत्व बनेगा ही । लेकिन कैसै ? यहां इस बात को गहराई से आत्मसात करना होगा कि हमारे ब्रह्माण्ड भर से पृथ्वी पर पहुच रही शक्तिशाली वैद्युतीय उर्जा तरंगे (म्समबजतवउंहदमजपब अमेद्ध की जानकारी पाठकगण को मालूम होना चाहिए कि सूर्य ही इन समस्त उर्जा तरंगों का मुख्य स्रोत है,सूर्य की शक्तिशाली यू वी किरणों से बचनें तथा भागनें की कोशिश वैज्ञानिका की अज्ञान भरी नादानी ही ही कही जाएगी। जैसे एक नवजात शिशु को यदि अधिक आक्सीजन मिल जाए तो उसकी मृत्यु हो सकती है। किन्तु इसका अर्थ यह कदापि नहीं कि आक्सीजन से मृत्यु होती है। जैसे जैसे शिशु बढ़ता है वैसे वैसे अधिक आक्सीजन की जरुरत पड़ती जाती है,जो उसकी स्वस्थता तथा जीवनशक्ति का साधन बनती है।

पाठको की जानकारी के लिए

युगों की काल गणना (मानव वर्ष में)

कलयुग... 4 लाख 32 हजार वर्ष
द्वापरयुग..... 8 लाख 64 हजार वर्ष
त्रेतायुग...... 12 लाख 86 हजार वर्ष
सत्ययुग...... 17 लाख 28 हजार वर्ष
योग 43, 20000 (तैतालिस लाख 20 हजार वर्ष)

चार युग की एक चौकड़ी ,महायुग कहलाता है।
72, चौकड़ी एक मनवन्तर - मनु । 14- मनवन्तर एक कल्प यानि कि - 4,35,45,60,000 वर्ष
मानव का एक मास- पितर लोगों का एक दिनरात,
मानव का एक वर्ष देवताओं का एक दिनरात,
देवताओं का एक हजार युग काल ब्रहमा का एक दिनरात।
प्रलय चार प्रकार की होती है। ! - नित्य प्रलय, 2- जल प्रलय, 3- बैराट प्रलय, +- महा प्रलय।
जल प्रलय ब्रहमा के एक दिन खत्म होनें पर, बैराट प्रलय ब्रहमा के सौ वर्ष खत्म होनें पर होती है। जब 14 प्रलय (यानि एक कल्प) हो चुकती है तब महा प्रलय होती है।

नवराते के पवित्र पर्व में 16 प्रकार की माता मानी गई हैं,1- दूध पिलानें वाली, 2- गर्भधारण करनें वाली, 3- भोजन देनें वाली, 4- गुरु की पत्नी,5- इस्ट देवता की पत्नी, 6- सौतेली मॉ, 7- सौतेली बहन, 8- सहोदरा बहन, 9- पुत्रबधु , 10-सासू , 11- नानी, 12- दादी, 13-भई की पत्नी, 14- मौसी, 15 बूआ, 16 मामी, नवराते में इन्ही सब रूप में पॅूजा की जानी चाहिए।

ब्रहमा जी नें मॉ शक्ति से वर प्राप्त कर सृष्टि - रचना प्रारम्भ की तो सर्व प्रथम उन्होनें मरीच,अंगिरा,अत्रि, वसिष्ठ, पुलह, त्रतु, पलस्त्य इन सात मानस पुत्रों को उत्पन्न किया।

सात लोक उपर के सात ही नीचे के जिसे चौदह भुवन कहते हैं। 14 भुवन :- 1-भूर्लोक, 2-भुवर्लोक, 3- स्वर्लोक-स्वर्गलोक, 4-महर्लोक, 5-जनलोक, 6-तपलोक, 7- सत्यलोक, (ये उपर के सात लोक हैं) नीचे के सात लोक जिसे पताल लोक कहते हैं :- 8- अतल, 9- वितल, 10- सुतल, 11- तलातल, 12- महातल, 13- महातल, 14- पताल, । इन्ही सब को चौदह भुवन कहा गया है।

सात ही द्वीप हैं जम्बू द्वीप, प्लक्ष द्वीप, शाल्मलि द्वीप, कुश द्वीप, कॉच द्वीप, शाक द्वीप, पुष्कर द्वीप, सात ही महा सागर हैं:-

भारत में पहला प्रकाषित अखबार बंगाल गजट था, उसका पूरा नाम बंगाल गजट कलकत्ता जनरल एडवरटाइजर था। 1780 मेंशुरु हुआ और 1830 में बन्द हुआ।

1911 में भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थांतरित की गई।
धारा 96 - 106 आईपीसी के तहत आत्म रक्षा का अधिकार होता है।
एक मीटर में 10 लाख माइक्रोन्स होते हैं।
पृथ्वी अपनें अक्ष - धुरी पर 23 घन्टे 56 मिनट 4 सेकेन्ड में पूरा घूम जाती है। सूर्य की किरणें पृथ्वी पर 8 मिनट 3 सेकेन्ड में पहॅुचती हैं।

गुरमुखी भाषा का (लिपि) का आरंभ गुरु अंगद देव जी नें किया था। और खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोबिन्द सिंह नें किया था।

मुगलों की भाषा फारसी थी,लाहौर का किला अकबर नें बनवाया था। जहरीले सांप के काटनें पर नीम की पत्ती कड़वी नही लगती और लाल मिर्च खानें पर तीखी कड़वी नहीं लगती, इससे पता चलता है कि जहर का असर है।

।।सर्वेसन्तु निरामयाः।।
जय भगवान धन्वन्तरि
।। आयुर्वेदो मृतानाम्।।

WORLD AYURVED RESARCH & DEVELOPMENT COUNCIL
(विश्व आयुर्वेद अनुसंधान एवं विकास परिषद्)

जन सूचना

क्या आप आयुर्वेद में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं ?क्या आप आयुर्वेद को अपना कैरियर बनाना चाहते है? क्या आप आयुर्वेद को अपना रोजगार बनाना चाहते है? यदि हाँ, तो आप शीघ्र विश्व आयुर्वेद अनुसंधान एवं विकास परिषद् के सदस्य बनें। हम आपको निम्न हर्बल व्यवसायों का प्रशिक्षण एवं इनके व्यापार की जानकारी व मार्गदर्शन देंगे जैसे :

1. हर्बल (जड़ी बूटीयों) की खेती करना, 2. हर्बल कुटीर उद्योग लगाना, 3. आयुर्वेदिक दवाईयों का विक्रय करना, 4. आयुर्वेदिक उत्पादों व पदार्थो की मार्किटिंग करना, 5. आयुर्वेदिक दवा प्रतिनिधि (AMR) बनना, 6. आयुर्वेदिक पत्रकारिता एवं लेखन (Journalism) प्रशिक्षण। 7. आयुर्वेदिक उपचार तथा प्राथमिक चिकित्सा का ज्ञान, 8. आयुर्वेदिक औषधालय का संचालन, 9. आयुर्वेदिक प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन 10. आयुर्वेदिक साहित्य विक्रय केन्द्र खोलना, 11. आयुर्वेदिक प्रशिक्षक / प्रचारक एंव WARDC का परामर्शदाता बनना ।

आप हमारे द्वारा उपरोक्त व्यवसायों को सीख कर लाखों रू० कमा सकते हैं । साथ ही हम आपको सदस्यता पहचान – पत्र एंव प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी प्रदान करेंगें । अतः इच्छुक व्यक्ति शीघ्र सम्पर्क करें :–

Central Admn. Off.:
Plot No. 4, Chandra Park (Opp. NSIT)
Dwarka Mod High Way, New Delhi-110078 (INDIA)
Helplines : 09868422283, 09212412283, 09654886532
E-mail : waradc@gmail.com Website : www.worldayurvedresearch.com

Punjab Unit
World Ayurved Resarch & Development Council
(विश्व आयुर्वेद अनुसंधान एवं विकास परिषद)
C/o CFIB H.Q. Near Leesa Market, St. No. 6,
New Kundan Puri , Civil Lines, Ludhiana (Pb.)
Helpline No. 93169-42755, 0161-3063412

पंजाब एंव देश भर का हैरोइन से बरबादी ....

पृष्ठ 1 का शेष

प्राप्त सूचना के मुताबिक बाकी की हैरोइन चीन के रास्ते कोरिया और जापान जैसे देशों में,कुछ रूस और उससे लगे देशों में,कुछ इरान के रास्ते अन्य देशों में सप्लाई की जाती है।

पिछले दिनों भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय अपनी भरती पालिसी को लेकर पूरे देश में एक सर्वे कराया |जो नतीजे निकले वह बेहद चौकानें वाला था। अब तक जिस पंजाब के नौजवान पूरे देश में सबसे शक्तिशाली और गबरू मानें जाते थे और सेना में पंजाबी नौजवानों का स्थान पहला और अव्वल रहा है,पिछले कुछ साल से 8 वें पायदान पर चला गया। बिहार,यु.पी.जैसे राज्य पंजाब से आगे निकल गए। सेना के अधिकारियों नें इस कारण की गहराई से जॉच किए तो उन्हे यह जानकर बहुत ही हैरानी हुई कि पंजाब की एक पूरी पीढ़ी नशे की भेंट चढ़ती जा रही है,पड़ोसी देश कथित तौर पर इस नशे को फैलानें में पूरी ताकत से लगा हुआ है।

इन सब मामलें में देश और समाज के गद्दार तो लगे ही हैं लेकिन अपनी भारत सरकार भी कम जिम्मेदार नहीं है.?। बड़े से बड़े नेता जिम्मेदार अधिकारियों की जानकारी में वह साल्ट कैमिकल या इस लाइन में जहर कह लें इसकी सप्लाई - निर्यात पाकिस्तान को भारत द्वारा होती है.?। और इस वस्तु का नाम है "एनहाईड्रेट" । यही वही साल्ट है जिससे अफीम से हैरोइन तैयार होती है। अब सवाल यह है कि जब हमारे देश के कर्णधार,हमारे देश के प्रधान मंत्री, हमारे देश के जिम्मेदार अधिकारी अंधे और बहरे हो चुके कि आज पचासनों साल से यह कैमिकल भारत देश से पाकिस्तान भेजा जा रहा है और ऐसों की जानकारी में हमारे देश के लाखों लोगों का जीवन बरबाद होता गया और हो रहा है। और हम आज भी इस साल्ट को पाकिस्तान को निर्यात करते हैं क्या हो गया है देश के जिम्मेदारों को क्यों नहीं इसपर रोक लगाते क्यों नहीं निर्यात खत्म करते.? याद रखें अब भी वक्त है कि हैरोइन जैसे जहर को खत्म करनें के लिए अविलम्ब कड़े और सार्थक कदम उठाए जायें वर्ना इस देश को इरान,इराक,अफगानिस्तान,सीरिया जैसे देशों की तरह बरबाद होनें से नहीं बच सकता। और इसकी जिम्मेदारी मौजूदा सरकार पर होगी.?।

ड्रोन विमान-ग्लाइडर-हेलीकॉप्टर,जैसे इलेक्ट्रॉनिक ....

पृष्ठ 1 का शेष

आज कल ऐसे ड्रोन विमानो हैलीकाप्टरों से शादी ब्याह में या किसी उत्सव या जलूस वगैरह में आसमान से फूल वर्षा जेसे कार्य में धड़ल्ले से हो रहा है। इन्ही सब बातों की गंभीरता को देखते हुए क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो पंजाब नें गृहमंत्री भारत सरकार,पंजाब पुलिस एंव लुधियाना पुलिस को विशेष पत्र भेजते हुए खतरे के प्रति अगाह किया कि ऐसे सभी इलेक्ट्रानि खिलौना रूपी ड्रोन विमानों ग्लाइडर हैलीकॉप्टर पर रोक लगा दी जानी चाहिए जिससें देश विरोधी ताकतें जान माल की क्षति न कर सकें।

काले पानी की सजा.......

पृष्ठ 1 का शेष

उसे कालेपानी की सजा सुना दी जाती थी। आज यह एक बड़े दुखः की बात है कि खुशहाल प्रदेश पंजाब के लोग जहरीला पानी पीकर बिना किसी कशूर के काले पानी की सजा भुगतनें को मजबूर हैं। साल 2009 -10 में गुप्तचर मीडिया फोर्स (सी.एफ.आई.बी.) पंजाब के डायरेक्टर की तरफ से माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री,(भारत सरकार) पंजाब के मुख्यमंत्री, को हो रहे जहरीले पानी की मय प्रमाणित रिपोर्ट के साथ अवगत कराया। 2011 को मानयोग हाईकोर्ट नें सरकार को अपना पक्ष रखनें की (हिदयत) आदेश दिया। अखबारों में इस संबंधी खबरें छपनें के बाद कई भारतीय एंव विदेशी विज्ञानिकों नें जानकारी लेने के लिए पंजाब का दौरा कर पानी का सेम्पल लिया। यह पानी अलग अलग लैबोट्रीयों में टैस्ट के लिए भेजे गए, लैबोट्री जॉच में पाया गया कि पंजाब की धरती के पानी में 65 ./ युरेनियम पाया गया जो मनुष्यों के लिए बेहद घातक है। यह हानिकारक पानी वैसे तो लगभग पूरे पंजाब में है पर खास करके मालवा क्षेत्र में कैंसर जैसी भयानक बीमारी होनें का मुख्य कारण भी है।

प्रन्तु पंजाब सरकार की तरफ से पहले इनत थ्यों पर सफाई देते हुए पानी में युरेनियम की मात्रा को नाकार दिया गया जिससे स्पष्ट अर्थ यह कि पंजाब के सेहत और सुरक्षा विभाग नें गैर जिम्मेदाराना बयान देकर बात को गोलमोल किया। संबंधित विभाग नें कहा कि धरती के नीचे पानी पीनें के योग्य है और कैंसर जैसी बीमारी का कारण नहीं.?। तो क्या कारण है कि यदि धरती के नीचे का पानी काला बदरंग जहरीला नहीं है तो पंजाब सरकार की तरफ से अरबों रुपए खर्च करके श्शहरों व गॉवों में आर.ओ. का साफ सुथ्रा पीने का पानी का प्रबंध क्यों कराया गया। सेहत विभाग और सुरक्षा विभाग आर.ओ. का साफ-सुथरा पानी पीनें का प्रबंध तो कर सकता है पर बाकी मनुष्य की सैकड़ों क्रियायें आदमी रात दिन पानी के साथ करता है जिसक साफ असर मानव और पशुओं पर पड़ता है। इन सभी कारणों को ध्यान में रखते हुए सी.एफ.आई.बी. पंजाब सरकार का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहती है कि प्रथम पूरे प्रत्येक जिलों के धारती के नीचे के पानी का सैम्पल लेकर उच्च स्तर पर लैबरेटरियों में जॉच कराए, दूसरे इसी बात पर अमल के साथ कि गन्दे नालों,फैक्टरियों,कल-कारखानों से निकलनें वाले पनी का रिटीट्र संसोधन जरूरी है लेकिन...? इस बात का पता लगाना जरूरी है कि प्राण घातक रसायन युरेनियम का पानी में किस वजह से बढ़ोत्तरी हो रही है।

क्यों कि पिछले दिनों ही जर्मन के साइंसदारों नें यह खुलासा कर सकते में डाल दिया कि पंजाब के नौजवानों का 65 प्रतिशत डीएनए सेक्सुअल ताकत खतम हो गई है। पंजाब सरकार एंव केन्द्र सरकार गंभीरता से पता लगाए कि इतनें ज्यादा हैवी मैटल्स और घातक युरेनियम पानी में आया कहां से, कहीं पंजाब के लागों को

छोटे छोटे बच्चों को बना रहे आतंकवादी।..........

पृष्ठ 1 का शेष

किसी को छूरा घोप देते हैं। इस तरह के जघन्य कृत्यों के समय उनके चेहरों पर न डर होता है न ही झिण्क न कोई अन्य भाव किसी रिमोट कंट्रोल यंत्र की तरह ये नन्हे आतंकी बड़ी बड़ी वादर्तें कर रहे हैं। विश्व के सभी आतंकी संगठनों में यह दवा धड़ल्ले से इस्तेमाल की जा रही है। इस दवा को लेते ही न कोई जज्बात रहता है न कोई संवेदना न ही कोई भाव। बस एक ही घ्यान कि इशारा होते ही अपनें शिकार को मौत के घाट उतार देना है।

बचपन में ही मौत के खिलाड़ी बनें ये बच्चे बड़े होकर कितने खतरनाक होंगे इसका अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता। आज तेजी से तैयार हो रही बाल आतंकियों की ए फौज जब दुनियां में आतंक की ऑधी लादेगी तो उससे बचनें का रास्ता भी नहीं नजर आनें वाला। दवा खाकर बेरहम होनें वाले बच्चे अपनें आकाओं के इशारे पर बेगुनाह लोगों पर जुल्म सितम ढाया करेंगे। क्यों कि यह कैमिकली जनरेटड आतंक होगा इस लिए इसका तोड़ ढूढना भी मुश्किल होगा। छूरा बन्दूक रिवाल्वर और अन्य हथियारों को खिलौनें की तरह इस्तेमाल करनें वाले ये बच्चे न अपनी जान की परवाह करेंगे न दूसरे की। बेरहमी के ये पहाड़ दुनियां पर टूटनें के लिए तेजी से तैयार हो रहे हैं। दुनियां इन बच्चों से भी डरेगी पर कुछ कर नहीं सकेगी। अगर इन बच्चों के हाथ में ऐटमी हथियार आ गए तो फिर दुनियां की खैर नहीं। तबाही का खतरा हमारे सरों पर मडरा रहा है। बेरहमी भरी मौत दुनियॉं के दरवाजे पर दस्तक दे रही है। क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो (C.F.I.B.) पंजाब के अध्यक्ष और नेशनल सिक्योरिटी एण्ड इंटैलीजेंस फोर्स के सलाहकार डॉ.भारत नें इस खतरनाक दवा का पता लगते ही इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी। राष्ट्रपति, गृह मंत्रालय, पंजाब पुलिस के महानिदेशक को इस संबंध में विस्तृत पत्र भेजे गए इनका असर भी हुआ। संगठन का दावा है कि पंजाब प्रशासन के उच्च अधिकारी 27 अगस्त को लुधियाना में डॉ.भारत से मिलनें आए थे। दवा का नाम राष्ट्र हित में गोपनीय रखा गया है। अब देखना है कि इसकी रोकथाम के लिए क्या उपाय किए जाते हैं। अगर आज हम नहीं चेते तो शायद हमें कभी वक्त न मिले इस लिये वक्त का तकाजा यही कहता है के वक्त रहते सभल जाओ।

पाकिस्तान और इस्लामिक स्टेट की कट्टरता ही परमाणु युद्ध तो नहीं.?,..................

पृष्ठ 1 का शेष

विश्व को खूनी शिकंजे में कसता इस्लामिक स्टेट ?। जिसमें चेतावनी देते हुए लिखा गया था कि " अगर समय रहते दुनियां के शक्तिशाली देश विकसित एंव विकासशीलदेश एक जुट होकर इस दवानल शैतानी ताकत को नहीं रोका तो कई मुल्क तबाह हो कर बर्बाद हो जायेंगे "। इस खबर लेख में इस्लामिक स्टेट के अन्य भयानक मंशूबों पर प्रकाश डाला गया था। आगे साथ ही हमें लश्करे तोयबा, तालीबान, अलकायदा जैसे आतंकी गुटों को कम आंकना भी बहुत बड़ी भूल होगी।

आगे सीएफआईबी भारत सरकार को अगाह करते हुए चेतावनी भी देती है कि देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करनें के लिए अविलम्ब नए एंव कारगर कदम उठाकर अपनी खुफिया एजेंसियों को हर वक्त ऐक्टिव-एटैंशन रखे। देश में पहले से मौजूद आतंकी संगठन सिमी, आईएम, हूजी, जम्ब, ++?- पर पूरी तरह से सख्त निगरानी और अपनी अन्य जरूरी कारवाई रखे वर्ना किसी घटना के बाद एलर्ट किसी काम का नहीं होगा। क्यों कि पाकिस्तान की आईएसआई और अन्य आतंकी गुट अपना वजूद कायम रखनें के लिए किसी भी सीमा तक जाकर भयानक कार्य कर सकते है।

परमाणु युद्ध होता है तो.....

अगर विश्व में परमाणु युद्ध होता है तो इन देशों के ये स्थान-बंकर सुरक्षित रह सकते हैं जिनमें मानव जीवन की सभी सुविधायें मौजूद हैं,जो सतह से कई सौ मीटर नीचे तक या पहाड़ों के अन्दर सुरंगों में निर्मित हैं। जिनमें हजारों लोग कई महीनें तक सुरक्षित रह सकते हैं।

1- चेयेन माऊंटेन कम्पलैक्स (अमेरिका)
2- डेनवर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट (कोलोराडो,अमेरिका)
3- माऊंट वैदर (वर्जीनिया)
+- मास्को मैट्रो (रूस)
5- बर्लिंग्टन बंकर यू.के. (ब्रिटेन)
6- रेवेन रौं माऊटेन काम्प्लैक्स (पैसिल्वेनिया-मेरीलैंड)
7- शंघाई काम्पलैक्स (चीन)
8- स्वालबाई ग्लोबल सीड वॉल्ट (नाव्रे)
9- आयरन माऊंटने (मैसाचुसैट्स)

भारत देश के लिए यही कहा जा सकता है कि . . क्या हम रामभरोसे सभी सुरक्षित हैं..? ।

नेताओं की अपनी हेकड़ी और नासमझी से ....

पृष्ठ 1 का शेष

चीन नें जहां लाखों लीटर पिट्रोल की फ्री सप्लाई और हर प्रकार की सहायता दी वहीं नेपाल तक और पक्की सड़कों का जाल और दुरूह रास्तों को पार करते हिमालय के पहाणी रास्तों के नीचे से गफाओं के नये रास्ते तिब्बत के ल्हासा से नेपाल तक 540 कि.मी. लम्बी रेल लाइन की तैयारी में जुट गया। ताकि वह इसी के आड़ में जहां नेपाल में अपनी बाजार को मजबूत कर सके वहीं वह अपनें सामरिक अड्डे कायम कर अपनें मिशन के तहत हिन्दुस्तान को चारी तरफ से घेर सके और इसमें वह कामयाब हो गया। क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो पिछले काफी समय से भारत सरकार को चीन की चाल व नेपाल की तरफ ध्यान देनें और अपनी सीमा की चौकसी बढ़ानें की चेतावनी देता रहा है। प्रन्तु सरकार के जिम्मेदारों नें जो गलती की है उसकी भरपाई शदियों तक नहीं की जा सकती।

वैसे भी भारत की समुन्द्रीय सीमा और जमीनी सीमा जो 22,600 किलोमीटर के लगभग लम्बी पड़ती है चीन बहुत पहले से एक रणनीत के तहत चारों तरफ से घेरनें में कामयाब हो चुका है। और अब वह नेपाल के अन्दर तक आकर हिन्दुस्तान के सर पर आ गया है,इस लिए अब जरूरी ही नहीं अति आवश्यक हो चुका है कि देश हित में नए तरीके से अमल करना समय की मांग है। वर्ना यही सुननें देखनें में आएगा किः- देश के शासकों नें नादानी में लम्हे की खती की, और देश की जनता नें शदियों तक सजा पाई।

वाह रे भारत के राजनेता ? यही हाल है तो कौन.......................

पृष्ठ 2 का शेष

इसी मामलों में संबंधित हमारे ही देश में कार्यरत कुछ मीडिया कर्मी, गुप्तचर मीडिया फोर्स से संबंधित सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं जो राष्ट्रहित में अपने जॉन पर खेलकर नित नई से नई गोपनीय सूचनाओं को सुरक्षा बलों व भारत सरकार को भेजना अपना कर्तव्य समझते हैं। इस कार्य में ऐसे जांबाजों को समाज व देश के दुश्मनों जैसे तत्वों के क्रोध (गुण्डे बदमाशों से आतंवादियों से,भ्रष्ट अधिकारियों,गन्दे राजनीतिकों और भ्रष्ट प्रशासनिक कर्मियों से) का शिकार होना पड़ता है, हर वक्त हमेसा क्षति पहुँचाया जाता है। लेकिन कोई भी सरकार या पुलिस प्रशासन न तो कभी कोई सहयोग न ही सहायता मिलती है। ऐसे में लाजमी यही सवाल पैदा होता है कि जब कोई भी सहायता,सहयोग सरकार या प्रशासन कुछ भी नहीं देता है तो कौन है जो अपना और अपनें परिवार को बलिदान देना चाहेगा..??।

भारत देश में 30 प्रतिशत से ज्यादा वकील फर्जी..?।

एक तरफ पूरे देश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, न्यायालय प्रणाली पर उठती उंगलियां, भ्रष्टाचार में डूबे अफसरशाही, पुलिस प्रशासन से लोगों का खत्म होता विश्वास, मनमानियां करते राजनीतिक, हर तरफ असुरक्षा का भय,अब न्याय के लिए आदमी किस पर भरोसा करे? जायें तो जायें कहां।

हृदय राम : (सी.एफ.आई.बी.) बार काउंसिल आफ इण्डिया की ताजा रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश में 30 फीसदी वकील फर्जी हैं। बी.सी.आई.के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा नें कहा कि ऐसे फर्जी वकीलों के पास जाली डिग्रियां हैं और ऐसे लोग जहां इस पेशे को बदनाम कर रहे हैं वहीं इससें अदालत के कार्यो में भी बाधा उत्पन्न होती है। ऐसे लोग वकील की वर्दी ड्रेस पहन कर कर अपना उल्लू सीधा करते रहते हैं। उन्होंनें इस तरफ भी इशारा किया कि कैसे दिल्ली के कानून मंत्री के पास तक कानून की फर्जी डिग्री है। मिश्र नें कहा कि फर्जी वकीलों की वजह से वकालत का मापदण्ड तक गिर रहा है।

भ्रष्टाचार में चार जज बर्खास्त,एक जबरन रिटायर.?।

मप्र में यह पहला वाकिया है चार जजों की बर्क्षास्तगी का, जब कि पिछले दिनों ही अहमदाबाद में भी भ्रष्टाचार में संलिप्त दो न्यायाधीश को गिरफतार किया जा चुका हैं।

डीटीएन इजेंसी। यह भारत देश का दुर्भाग्य हैं कि एक प्रजातंत्र-लोकतंत्र जैसे निष्पक्ष देश में न्याय व्यवस्था बिकनें लगी हो.? । और न्यायधीश-जज जैसे पवित्र नाम को कुछ भ्रष्ट लोगों नें बाजार के सामानों की मण्डी बना दिया, मजबूर होकर सुप्रीम कोर्ट को ऐसे लोगों को कड़ी कारवाई और फटकार लगानी पड़ रही हो।

पिछले दिनों मध्यप्रदेश हाई कोर्ट नें भ्रष्टाचार के आरोप में चार जजों को बर्खास्त कर दिया है। विभागीय जॉच में इन जजों को भ्रष्टार का दोषी पाये जानें पर यह बर्खास्तगी की गई। प्रदेश के विधि विभाग नें इनके पद से हटानें के लिए अधिसूचना भी जारी कर दी। जिन जजों को पद से हटाया गया है उनमें मोहम्मद हुसैन अंसारी,चंद्र प्रकाश वर्मा,रूप सिंह अलावा व चन्द्रमोहन चतुर्वेदी हैं। इसके अलावा सुरेश कुमार आरसे को अनिवार्य सेवा निवृति देदी गई।

मीडिया एजैंसी

क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो, व नेशनल मीडिया फोर्स पंजाब के निदेशक - इंचार्ज के द्वारा 2015 में किए गए संगठन व सामाजिक कार्यों की कुछ झलकियां।

यह तो सर्व विदित है कि राष्ट्रीय अपराध विरोधी गुप्तचर मीडिया फोर्स " क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो " (सी.एफ.आई.बी.) देश की सामाजिक एंव आंतरिक सुरक्षा के प्रति समर्पित मीडिया संगठन है। संगठन अन्य कर्यक्रमों के अलावा राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस को बड़े धूमधाम से मनाता है। इस अवसर पर इन कायक्रमों में प्रशासनिक, सामाजिक, राजनीतिक, गणमान्य लोग बड़े उत्साह से शामिल होतें हैं। समाहरोह में शामिल होनें वाले अतिथियों में भाजपा प्रधान प्रवीन बांसल,उप प्रधान राजिन्दर हंश, महामंत्री.., जगदीश वर्मा, कॉग्रेसी नेता सुरिन्दर वासन, अकाली नेता, सामाजिक कार्यकर्ता दलीप सिंह, राशन डीपो होल्डर के प्रधान डीपी वर्मा, व अन्य गणमान्य।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पंजाब मुख्यालय में झण्डा रोहण के समय पंजाब के न्दिेशक इंचार्ज डॉ.भारत, भाजपा प्रधान प्रवीन बांसल,महामंत्री,उपाध्यक्ष राजिन्दर हंश, धरमपाल वर्मा, ओंकार सिंह पुरी, कांग्रसी नेता सुरिन्दर वासन, सुरिन्दर विकी, अजय शर्मा,सोनू शर्मा व अन्य पदाधिकारी।

मंच पर संबोधित करते हुए डॉ. भारत, साथ में बैठे हुए, प्रवीन बांसल, भाजपा महामंत्री, राजिन्दर हंश, धरमपाल वर्मा, ओंकार सिंह पुरी, महिला नेता सुधा खन्ना इत्यादि।

मंच पर संबोधित करते हुए, प्रवीन बांसल, साथ में बैठे हुए, डॉ. भारत, भाजपा महामंत्री, राजिन्दर हंश, धरमपाल वर्मा, ओंकार सिंह पुरी, महिला नेता सुधा खन्ना इत्यादि।

सी.एफ.आई.बी. समाहरोह के अवसर पर मुख्यालय में सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी व कर्मी।

प्रवीन बांसल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते डॉ.भारत व अन्य गण।

इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए डॉ.भारत, धरमपाल वर्मा, राजिन्दर हंश, व अन्य।

सामाजिक सेवा में अच्छे कार्य करने पर राकेश जैसवाल व इन्दर जैसवाल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए पुलिस अधिकारी।

अपराध,आतंकवाद,नशे का कारोंबार को रोकना क्या पुलिस का काम है,?।

जो ऐसा सोचते हैं वह गलत ही नहीं खतरनाक भी है। याद रखें देश-समाज के प्रति आप की पूर्ण जिम्मेदारी और कर्तव्य भी है। क्या आप अपनें कर्तव्य का पालन कर रहे हैं.?।

देश हो या प्रदेश (स्टेट)जिला हो या शहर शांति व्यवस्था बनाये रखना हो या आंतरिक सुरक्षा का मामला हो या नशीली वस्तुओं पर अंकुश लगाना जैसे किसी भी बूराई को खत्म करना हो सिर्फ पुलिस की जिम्मेदारी नहीं होती। ऐसे सभी मामलों में आप सभी की पूर्ण जिम्मेदारी होती है,एक जागरुक नागरिक ही देश को नई दिशा दे सकता है। इस लिए आइए भारत को अपराध मुक्त,शक्तिशाली एंव आत्मनिर्भर बनानें में शासन-प्रशासन का सहयोग करें

डॉ.भारत : अध्यक्ष : सी.एफ.आई.बी,(पंजाब)
अध्यक्ष : नेशनल मीडिया फोर्स, एंव : नेशनल सिक्योरिटी एण्ड इंटेलीजेंस फोर्स।
न्यु कुन्दनपुरी सिविल लाइन्स लुधियाना पंजाब।कन्टैक्ट - 93169-42755,
केंद्रीय कार्यालय : नई दिल्ली - 09868422283

हिन्दुस्तान की सरकार को खुद यह पता ही नहीं की 'हिन्दू का मतलब-आशय और इसकी परिभाषा क्या है.?।

राकेश मोंगा
सी.एफ.आई.बी.।

लुधियाना: यह इस देश के नागरिकों का दुखद दुर्भाग्य ही है कि उन्हें यह पता ही नहीं कि उनके देश का सरकारी ऑकड़ों में किस नाम से सम्बोधित किया जाए ?, और सरकार यह भी बतानें में अस्मर्थ है कि हिन्दू का मतलब-आशय और परिभाषा क्या है।

जब सरकार को यह भी पता नहीं कि हमारे देश का नाम भारत है हिन्दुस्तान है या इण्डिया है, किस नाम से हम सम्बोधित करें,और हिन्दू का आशय और परिभाषा क्या है। विगत दिनों मध्यप्रदेश के सामाजिक कार्यकरता चन्द्रशेखर गौर नें आर.टी.आई. के तहत जानकारी मांगी थी कि भारतीय संविधान और कानून के अनुसार 'हिन्दू'शब्द का आशय और परिभाषा क्या है। इसके जवाब में भारत सरकार के गृहमंत्रालय नें जवब देते हुए लिखा कि केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी(सी.पी.आई.ओ.)के पास अपेक्षित सूचना उपलब्ध नहीं है।आवेदक नें यह भी जानन चहा था कि देश में किन आधारों पर किसी समुदाय को हिन्दू माना जाता है लेकिन इन सवालों को भी टरका दिया गया कि अपेक्षित सूचना की जानकारी नहीं है। अब सवाल यह उठता है कि अगर सरकार को पता ही नहीं है कि हिन्दू शब्द का आशय और परिभाषा क्या है,तो हिन्दू विवाह अधिनियम सरीखे कानून आखीर किस आधार पर बना दिया गया है।

इसी प्रकार पिछले साल मीडिया द्वारा यह जानकारी मांगी गई थी कि हमारे देश का वास्तविक नाम क्या है?,भारत है या हिन्दुस्तान है या इण्डिया ?। अगर नागरिक किसी एक नाम का प्रयोग करना चाहें तो किस नाम का उल्लेख करते हुए प्रयोग करें। लेकिन सरकार के जिम्मेदार लोग यह भी नहीं बता सके कि हमारे देश का कौन सा एक नाम संवैधानिक प्रयोगार्थ है।

इण्डो—नेपाल लगती बॉर्डर पर सीएफआईबी की दस्तक

फारूक अंसारी सीएफआईबी बिहार

मद्येशियों के नेपाल के नये संविधान के उग्र विरोध से उत्पन हालात के कारण इण्डो—नेपाल सीमावर्ती इलाके संवेदनशील माने जा रहे हैं। इस दौरान बीरगंज—रक्सौल बॉर्डर पर दोनों मित्र देशों के तैनात सुरक्षाकर्मियो द्वारा गाड़ियों की सधन जांच की जा रही है वहीं मौजूदा स्थिति पर नजर रखी गई है। बॉर्डर का दौरा कर आये सीएफआईबी टीम ने बताया है कि बिगड़े हालात के कारण व्यापार के रास्ते इस समय अवरूद्व है इसकी वजह से आम शहरी मंदी की मार झेल रहे है। बॉर्डर की जायजा लेने गई टीम का मानना है कि अशांति के बीच शांति बहाली की कवायद जारी है। रसद और तेल का दाम आसमान छू रहा है।

रक्सौल के समीप गेट-व ऑफ नेपाल के करीबे सी एफ आई बी बिहार की टीम

नेपाल में दैनिक वस्तुओं के किल्लत और उसकी कीमत पर लगाम लगाने को मद्येशी बैठक।

नेपाल सरकार से अपनी मांगो को लेकर बैठे मद्येशी आन्दोलनकारी।

क्राईम फ्री इण्डिया ब्यूरो की तरफ से सभी देश वासियो को क्रिसमस एंव नव वर्ष की हार्दिक शुभ कामनाऐं व बधाई